हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

आज इम्तिहान की घड़ी

22.79 लाख बच्चे देंगे नीट री-एग्जाम › **देश के 551 और विदेश के 14 शहरों में 5000 सेंटर बनाए गए** › **दोपहर 2:00 से 5:15 बजे के बीच परीक्षा**

पहली बार हवाई मार्ग से आएगे प्रश्न पत्र

674 सिटी कोऑर्डिनेटर
6669 एग्जाम ऑब्जर्वर
2 लाख कर्मी सेंटरों पर रहेंगे तैनात

वेरिफिकेशन जरूरी

एग्जाम सेंटर्स पर अभ्यर्थियों की पहचान के लिए आधार बेस्ड बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन

एंट्री पर हाई-सेंसिटिविटी मेटल डिटेक्टर से जांच

चाकचौबंद सुरक्षा एक्स्ट्रा बायोमेट्रिक मशीनें और ट्रेंड कर्मी तैनात रहेंगे

परीक्षार्थी इन बातों का खास ख्याल रखें

- 1:30 बजे से पहले सेंटर पहुंचे, इसके बाद एंट्री नहीं होगी।
- एडमिट कार्ड, फोटो आईडी और 2 फोटो साथ ले जाएं।
- मोबाइल, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस पर प्रतिबंध रहेगा।
- केंद्र का पहले से पता कर लें, मौसम का ध्यान रख निकलें।

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

21 जून यानी रविवार को देशभर में नीट री-एग्जाम होगा। परीक्षार्थियों के लिए यह बड़ी इम्तिहान की घड़ी होगी। देशभर से 22.79 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। इसके लिए भारत के 551 और विदेश के 14 शहरों में 5000 से ज्यादा एग्जाम सेंटर बनाए गए हैं। एनटीए के मुताबिक एग्जाम कंडक्ट कराने में 2 लाख से अधिक कर्मी, 674 सिटी कोऑर्डिनेटर और 6,669 ऑब्जर्वर लगाए गए हैं। एनटीए के अनुसार, एग्जाम दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक पेन-एंड-पेपर मोड में होगी। पीडब्ल्यूडी और पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के पात्र अभ्यर्थियों को अतिरिक्त समय देते हुए शाम 6:20 बजे तक एग्जाम लिखने की अनुमति होगी।

प्रदेश में 19 जिलों में 175 परीक्षा केंद्रों पर 65 हजार अभ्यर्थी

चंडीगढ़। हरियाणा में नीट यूजी री-एग्जाम को लेकर कड़ी सुरक्षा रहेगी। परीक्षा को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए पुलिस, जिला प्रशासन और सीआरपीएफ के सहयोग से मल्टी-लेयर सुरक्षा व्यवस्था तैयार की गई है। हरियाणा के 19 जिलों में बनाए गए 175 परीक्षा केंद्रों पर 65 हजार से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए रोडवेज बस स्टैंडों पर हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएंगे। वहीं, बीकानेर मंडल की ओर से तीन विशेष ट्रेनें भी चलाई गई हैं। शुक्रवार को क्वेश्चन पेपर एयरप्लेन से हिसार एयरपोर्ट पर पहुंचाए गए, जिन्हें सेना की निगरानी में सुरक्षित रखा गया है।

री-एग्जाम की क्यों पड़ी जरूरत

3 मई 2026 को नीट यूजी परीक्षा देशभर में आयोजित की गई थी। परीक्षा के बाद कई राज्यों से प्रश्नपत्र लीक होने और कुछ अभ्यर्थियों को पहले से पेपर मिलने के आरोप सामने आए। जांच में गड़बड़ियों के संकेत मिलने पर एनटीए ने 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी। इसके बाद केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों की समीक्षा के आधार पर दोबारा परीक्षा कराने का फैसला लिया गया।

नागपुर के छात्र को दिया अबू धाबी में सेंटर?

नई दिल्ली। देशभर में नीट यूजी री-एग्जाम से एक दिन पहले एग्जाम सेंटर के अलॉटमेंट में गड़बड़ी के मामले सामने आए हैं। नागपुर के एक छात्र अब्दुल्लाह मोहम्मद तालिब ने अबू धाबी (यूएई) स्थित एक भारतीय स्कूल में सेंटर मिलने की शिकायत की। छात्र ने 19 जून को एडमिट कार्ड डाउनलोड किया, तब यह गड़बड़ी देखी। छात्र के पास पासपोर्ट नहीं है। ऐसे में उसका विदेश जाकर परीक्षा देना संभव नहीं था। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने सफाई दी। एजेंसी ने कहा कि परीक्षा शहर में बदलाव छात्र के रजिस्टर्ड लॉगिन से किया गया था। हालांकि, छात्र के अनुरोध पर बाद में सेंटर नागपुर कर दिया गया। इसी तरह भुवनेश्वर की एक छात्रा को 2300 किमी दूर देहरादून में सेंटर मिला, जिसे बाद में सुधार दिया गया।

पीएम किसान सम्मान निधि

प्रदेश के 15.95 लाख किसानों को मिले 319.13 करोड़ रुपये

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को आनलाइन माध्यम से पीएम किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त के तहत 9 करोड़ 44 लाख से अधिक लाभार्थी किसानों के बैंक खातों में 18 हजार 880 करोड़ से अधिक की राशि का हस्तांतरण किया। इसमें हरियाणा के 15 लाख 95 हजार 644 लाभार्थी किसानों के खातों में 319 करोड़ 13 लाख की राशि जारी की गई। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने प्रदेश के किसानों की ओर से पीएम नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि आज की इस राशि को मिलाकर हरियाणा के किसानों को 23 किस्तों में कुल 7 हजार 881 करोड़ 60 लाख दिए जा चुके हैं। पंचकूला में आयोजित राज्यस्तरीय पीएम किसान उत्सव दिवस कार्यक्रम में सीएम ने कहा कि मोदी के कुशल नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत के कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। हरियाणा सरकार ने भी इसी दिशा में गति से कार्य करते हुए किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करने, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने और कृषि को तकनीक से जोड़ने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

23वीं किस्त जारी सीएम बोले, मोदी के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र में आया अभूतपूर्व बदलाव

परभणी में बड़ा हादसा

महाराष्ट्र में हनुमान मंदिर की छत गिरी, 7 की मौत

ऐसी मच गई अफरातफरी

25 लोग घायल, अस्पताल में भर्ती

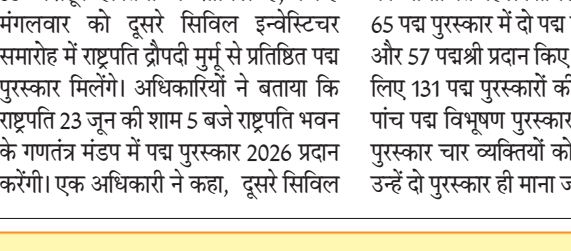

परभणी (एजेंसी)। महाराष्ट्र के परभणी जिले में यशवाड़ी देवस्थान में हनुमान मंदिर के हॉल की छत गिर गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक यहां मंदिर के ठीक सामने सभामंडप बनाने का काम चल रहा था। दोपहर के समय लोग प्रसाद ले रहे थे। अचानक मंदिर का स्ट्रक्चर भरभराकर गिर पड़ा। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें दोपहर 3 बजे का समय लिखा है। हादसे के बाद सभा मंडप के मलबे से 7 शव निकाले जा चुके हैं। करीब 25 लोग घायल हुए हैं। इन सबको अस्पताल पहुंचा दिया गया है। शनिवार होने के कारण मंदिर में भीड़ ज्यादा थी। लोग कीर्तन और महाप्रसाद लेने के लिए लाइन लगाकर खड़े हुए थे। हादसे के बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहे हैं।

मंडप में मौजूद लोगों ने हटाया मलबा

- रिपोर्ट्स के मुताबिक परभणी के हनुमान मंदिर के ठीक सामने सभा मंडप का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी सभा मंडप की छत अचानक ढह गई।
- मलबा, रॉड समेत पत्थर गिरते ही अफरा-तफरी मच गई। के समय दर्शन के लिए आए लोग मलबे के नीचे दब गए।
- रेस्क्यू के लिए पहुंची जिला प्रशासन की टीमों ने करीब 25 घायलों को अस्पताल पहुंचाया है।

विजय, अल्का याग्निक, रोहित समेत 65 को मिलेंगे पद्म पुरस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेनिस के दिग्गज विजय अमृतराज, एक्टर ममूटी, प्लेबैक सिंगर अलका याग्निक और क्रिकेटर रोहित शर्मा उन 65 मशहूर हस्तियों में शामिल हैं, जिन्हें मंगलवार को दूसरे सिविल इन्वेस्टिचर समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कार मिलेंगे। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति 23 जून की शाम 5 बजे राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में पद्म पुरस्कार 2026 प्रदान करेंगी। एक अधिकारी ने कहा, दूसरे सिविल इन्वेस्टिचर समारोह में, राष्ट्रपति 65 पद्म पुरस्कार प्रदान करेंगी, जिनमें दो पद्म विभूषण, सात पद्म भूषण और 56 पद्म श्री शामिल हैं। राष्ट्रपति ने 25 मई को आयोजित पहले सिविल इन्वेस्टिचर समारोह में 65 पद्म पुरस्कार में दो पद्म विभूषण, छह पद्म भूषण और 57 पद्मश्री प्रदान किए थे। सरकार ने 2026 के लिए 131 पद्म पुरस्कारों की घोषणा की थी, जिनमें पांच पद्म विभूषण पुरस्कार शामिल हैं। इनमें से दो पुरस्कार चार व्यक्तियों को दिए जा रहे हैं, लेकिन उन्हें दो पुरस्कार ही माना जाएगा।

भारत का अफगानिस्तान पर क्लीन स्वीप, सीरीज 3-0 से जीती

तीसरा वनडे 9 विकेट से जीता भारत, यशस्वी का शतक, रोहित की फिफ्टी, प्रसिद्ध को 5 विकेट

चेन्नई (एजेंसी)। भारत ने अफगानिस्तान को तीसरे वनडे में 9 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने क्लीन स्वीप करते हुए सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में अफगानिस्तान ने भारत को 219 रन का टारगेट दिया। जवाब में भारत ने 28.4 ओवर में एक विकेट खोकर 224 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। यशस्वी जायसवाल ने दूसरा वनडे शतक जमाते हुए नाबाद 110 रन बनाए। पारी में 14 चौके और 3 छक्के भी लगाए। रोहित शर्मा ने 79 रन की पारी में 9 चौके और 3 छक्के जमाए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 170 रन जोड़कर जीत की नींव रखी। श्रेयस अय्यर 20 रन बनाकर नाबाद लौटे। इससे पहले अफगानिस्तान के कप्तान हश्मतुल्लाह शाहिदी ने वनडे करियर का पहला शतक लगाते हुए 102 रन बनाए। उमरजई ने 50 रन की पारी खेली। अफगानिस्तान 44.2 ओवर में 218 रन पर सिमट गया। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने 5 विकेट झटके। गुरनूर बरार, हर्ष दुबे और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली। *(खेल पेज भी देखें)*

कूनो के चीते ने बकरियों का किया शिकार

शिवपुरी। कूनो नेशनल पार्क से निकलकर एक चीता पहाड़गढ़ के जड़ेरू आदिवासी गांव में पहुंच गया है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का दावा है कि चीते ने खेतों में घूमते हुए एक ग्रामीण की दो पालतू बकरियों का शिकार किया है। इस घटना के बाद लोग अपने बच्चों को बाहर भेजने से डर रहे हैं। और घरों में रहने को मजबूर हैं। सूचना मिलते ही वन विभाग और कूनो की ट्रैकिंग टीम मौके पर पहुंच गई है और चीते की गतिविधियों पर लगातार नजर रख रही है।

मृतक निवेशकों के शेयर-बॉन्ड्स आसानी से होंगे वारिसों के नाम

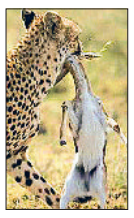

नई दिल्ली। सेबी बोर्ड ने शुक्रवार को हुई मीटिंग में मृतक निवेशकों के नाम पर मौजूद सिक्योरिटीज जैसे- शेयर्स और बॉन्ड्स को उनके कानूनी वारिसों और दावेदारों के नाम पर ट्रांसफर करने की प्रोसेस को आसान बनाने का फैसला किया है। इसके साथ ही रेगुलेटर ने फिजिकल और डीमैट फॉर्म में सिक्योरिटीज रखने वाले दावेदारों के लिए नई कैटेगरीज भी बनाई हैं। सेबी ने उन दावेदारों के लिए एक नई कैटेगरी बनाई है जहां फिजिकल फॉर्म में सिक्योरिटीज की वैल्यू प्रति शेयर 10,000 रुपये से ज्यादा नहीं है। वहीं डीमैट फॉर्म में रखी सिक्योरिटीज के लिए यह लिमिट प्रति शेयर 30,000 रुपये तय की गई है। सेबी ने साफ किया है कि चूंकि सिक्योरिटीज का ट्रांसमिशन डीमैट अकाउंट में किया जाएगा।

पतंजलि® PATANJALI®

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग आह्वान

मूलतः हम सब भारतवासियों के पूर्वज योगी थे। काल के प्रवाह में भले ही अब भिन्न पंथों, जाति, वर्ग, समुदायों के रूप में दिख रहे हों। अतः अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञ रहें तथा कृतघ्नता के पाप से बचें। सामूहिक रूप से योग करें एवं 10-20-50-100 लोगों को करायें एवं फोटो, रील आदि सोशल मीडिया पर शेयर करें। हर गांव, शहर, गली-मोहल्ला में योग के छोटे-छोटे कार्यक्रम करें।

योग, आयुर्वेद व स्वदेशी से आत्मनिर्भर भारत का संकल्प करें व करवायें।

विरोध– योग, आयुर्वेद, स्वदेशी व सनातन संस्कृति का षड्यंत्र पूर्वक भयंकर विरोध व विध्वंस करने में बहुत–सी आसुरी शक्तियां लगी हैं। राष्ट्रवादी सच्ची सनातनी आत्माओं को पूरी ताकत के साथ इस देवासुर संग्राम, धर्मयुद्ध में पतंजलि व पूजनीय स्वामी रामदेव जी का 100% साथ देना चाहिए। यतो धर्मः ततो जयः, सत्यमेव जयते।

लूट– ऑक्सफैम इंटरनेशनल से लेकर किसी भी AI (ए.आई.) टूल से सर्च करेंगे, तो पाएंगे कि मात्र विगत् 200-250 सालों में 100 ट्रिलियन से अधिक तो विदेशी कम्पनियों ने देश की आर्थिक लूट की है। महान भारत देश को एम.एन.सी. की आर्थिक गुलामी, मैकाले की शिक्षा की गुलामी, वैचारिक व सांस्कृतिक गुलामी में देश को धकेल कर पतन की पराकाष्ठा में पहुंचा दिया। 500-1000 साल पहले के स्वर्णिम काल की गौरवशाली स्मृति के साथ एक महान विकसित भारत बनाने के लिए हम सब संकल्पित होकर अखंड, प्रचंड पुरुषार्थ करें ताकि भारत की विरोधी शक्तियों को परास्त कर सकें और अपने पूर्वज ऋषि–ऋषिकाओं व शहीदों के सपनों का भारत बनायें।

पतंजलि का योगदान– पूजनीय योगऋषि स्वामी रामदेव जी व पूजनीय आचार्य श्री बालकृष्ण जी व पतंजलि के पुरुषार्थ से आज पूरे विश्व में योग–आयुर्वेद, स्वदेशी व सनातन संस्कृति का समग्र गौरव सम्पूर्ण विश्व में पहुंचा है। हरिद्वार से लेकर देश व दुनिया तक, इस महान सेवा में लाखों करोड़ों की चैरिटी पतंजलि ने की है। लगभग 10 हजार रिसर्च प्रोटोकॉल फॉलो करके 500+ रिसर्च पेपर इंटरनेशनल जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। पतंजलि गुरुकुलम्, आचार्यकुलम्, पतंजलि विश्वविद्यालय, भारतीय शिक्षा बोर्ड (BSB), पतंजलि कैरियर एकेडमी, पतंजलि सिविल सर्विसेस एकेडमी (PCSA), पतंजलि वेलनेस, योगग्राम, निरामयम्, पतंजलि रिसर्च फाउण्डेशन, गौशाला, पतंजलि के राष्ट्रव्यापी संगठन में करोड़ों कार्यकर्ताओं की निष्काम सेवा व तप से आज एक कालजयी ऐतिहासिक सेवा चल रही है। सैकड़ों संन्यासियों का तप, लाखों कर्मयोगी भाई–बहनों की निष्काम सेवा एवं आप सभी करोड़ों देशवासियों का आशीर्वाद ही हमारा एकमात्र सम्बल है और हमारा संकल्प है कि हम अन्तिम श्वास तक भारत माता व मानवता की सेवा में अपना सर्वस्व आहूत करते रहेंगे।

पतंजलि से जुड़कर हमारी सेवाओं का लाभ उठायें। योगत्व, रामत्व, कृष्णत्व तथा शिवत्व आदि को अपने स्वभाव व आचरण में अपनायें। क्योंकि सनातन धर्म हमारे आचरण का विषय है, मात्र प्रवचन का नहीं।

प्रतिदिन आस्था चैनल व इंडिया टीवी या यूट्यूब आदि से जुड़कर योग अवश्य करें।

आस्था LIVE – प्रतिदिन सुबह 5:00 से 7:30 और रात 8:00 बजे | संस्कार – रोज रात 9:00 बजे | INDIA TV – रोज सुबह 8:00 बजे | YouTube – Swami Ramdev | Acharya Bal Krishna

पतंजलि के हेल्दी प्रोडक्ट्स ख़रीदनें व रिसर्च एवं एविडेंस–बेस्ड मेडिसिन से रोगों को जड़ से मिटाने के लिए गूगल पर Patanjali Store Near Me (पतंजलि स्टोर नियर मी) सर्च करें। पतंजलि के सभी स्वदेशी प्रोडक्ट्स जैसे– गाय का घी, दन्त कान्ति, हनी, केश कान्ति, शर्बत, जूस आदि देश के सभी प्रमुख स्टोर्स पर उपलब्ध हैं। जहाँ उपलब्ध नहीं है वहाँ आप दुकानदार से पतंजलि के प्रोडक्ट्स रखने के लिए निवेदन करें।

पतंजलि की सभी प्रमुख संस्थानों की वेबसाइट पर जाकर अधिक जानकारी प्राप्त करें।

पतंजलि वेलनेस में आकर आरोग्य का लाभ प्राप्त करें, रजिस्ट्रेशन हेतु सम्पर्क करें– 8954-666-111

भारतीय शिक्षा बोर्ड व पतंजलि सिविल सर्विसेस एकेडमी हेतु सम्पर्क करें– 8954-555-999

टोक्यो विवि में गूंजा भागवत गीता का संदेश

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के तहत जापान में सेमिनार का आयोजन

गीता किसी एक धर्म या देश तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के कल्याण का मार्गदर्शक ग्रंथ

मुख्यमंत्री का वीडियो संदेश प्रसारित, गीता के वैश्विक महत्व पर हुआ मंथन

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2026 के तहत विश्वप्रसिद्ध टोक्यो विश्वविद्यालय में आयोजित 'अंतरराष्ट्रीय गीता सेमिनार' में श्रीमद्भगवद्गीता के सार्वभौमिक संदेश पर गहन विचार-विमर्श हुआ। सेमिनार में भारत और जापान के विद्वानों, राजनयिकों, उद्योगपतियों तथा विद्यार्थियों ने भाग लेकर गीता के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और व्यावहारिक पक्षों पर चर्चा की। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि गीता किसी एक धर्म या देश तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के कल्याण का मार्गदर्शक ग्रंथ है। उन्होंने कहा कि तनाव और संघर्ष से जूझ रही दुनिया को गीता का निष्काम कर्मयोग और मानसिक संतुलन का संदेश नई दिशा दे सकता है। स्वामी गुरुशरणानंद महाराज ने गीता को जीवन जीने की कला बताते हुए इसके व्यावहारिक महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का वीडियो संदेश भी प्रसारित किया गया। उन्होंने कुरुक्षेत्र से निकले गीता संदेश के वैश्विक प्रसार की सराहना करते हुए भारत-जापान के सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत बनाने की बात कही। कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सदस्य सचिव डॉ. अमित अग्रवाल ने कहा कि गीता समय, भाषा और संस्कृति की सीमाओं से परे मानवता को मार्गदर्शन देने वाला शाश्वत ग्रंथ है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 में शुरू हुआ अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव आज अनेक देशों तक पहुंचकर शांति और सद्भाव का वैश्विक अभियान बन चुका है।

हरियाणा-जापान के सांस्कृतिक रिश्तों को मिलेगी मजबूती : सीएम

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जापान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के सफल आयोजन पर बधाई देते हुए कहा कि यह आयोजन हरियाणा और जापान के बीच सांस्कृतिक संबंधों को नई मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के साथ भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार वर्ष 2016 से अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का आयोजन कर रही है।

डबल इंजन सरकार से पंजाब को विकास की नई गति मिलेगी : नायब

■ गुरदासपुर के नामदेव समाज के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात में मुख्यमंत्री ने रखा विकास का विजन

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार पंजाब के विकास को नई गति दे सकती है। उन्होंने कहा कि राज्य में रोजगार सृजन, महिला सशक्तीकरण, किसान हित और औद्योगिक विकास के लिए प्रभावी नीतियों की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री शनिवार को चंडीगढ़ स्थित संत कबीर कुटीर में पंजाब के गुरदासपुर जिले के श्री हरगोबिंदपुर से आए नामदेव समाज के प्रतिनिधिमंडल को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सिखों के छठे गुरु श्री गुरु हरगोबिंद सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी शिक्षाएं आज भी समाज को न्याय, साहस और सेवा का मार्ग दिखाती हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब के अनेक युवा रोजगार की तलाश में अवैध डंकी रूट अपनाने को मजबूर हैं, जबकि हरियाणा सरकार विदेश सहयोग विभाग के माध्यम से युवाओं को विदेशों में रोजगार के वैध अवसर उपलब्ध करा रही है। वर्तमान में 5,500 से अधिक आवेदनों की जांच की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 2,100 रुपये सीधे बैंक खातों में दिए जा रहे हैं। वहीं वरिष्ठ नागरिकों को वृद्धावस्था सम्मान भत्ता योजना के तहत 3,200 रुपये मासिक पेंशन प्रदान की जा रही है।

64 प्रोजेक्ट्स में गड़बड़ियां मिलने पर सरकार सख्त

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

■ क्वालिटी एश्योरेंस अथॉरिटी की पहली रिपोर्ट में कई विभागों के निर्माण कार्यों में खामियां मिली

हरियाणा सरकार की क्वालिटी एश्योरेंस अथॉरिटी (क्यूएए) की पहली तकनीकी ऑडिट रिपोर्ट में 64 सरकारी प्रोजेक्ट्स में गंभीर खामियां सामने आई हैं। रिपोर्ट के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर सख्त रुख अपनाया है।

जवाबदेही तय होगी

हाल ही में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि निर्माण कार्यों में गड़बड़ी मिलने पर केवल ठेकेदार ही नहीं, बल्कि संबंधित इंजीनियरों की जवाबदेही भी तय की जाएगी। इसके बाद कार्रवाई शुरू करते हुए लोक निर्माण विभाग और पंचायती राज विभाग के छह इंजीनियरों को निलंबित किया जा चुका है। अथॉरिटी की रिपोर्ट में लोक निर्माण विभाग, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड तथा अन्य विभागों की परियोजनाओं का तकनीकी ऑडिट किया गया। जांच में घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग, तकनीकी मानकों की अनदेखी, डिजाइन और योजना संबंधी खामियां, रखरखाव में लापरवाही तथा दस्तावेजी प्रक्रियाओं में गंभीर कमियां सामने आई हैं। हरियाणा पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के एक प्रोजेक्ट में अनियमितता मिलने पर ठेकेदार के खिलाफ रिकवरी की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।

विशेष एजेंसियों का पैनल तैयार

सरकार ने स्पष्ट किया है कि परियोजनाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जूनियर इंजीनियर, एसडीई और एक्सईएन स्तर के अधिकारियों की भी जवाबदेही तय होगी। इसके लिए विशेष एजेंसियों का पैनल तैयार किया गया है। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए सभी सरकारी परियोजना स्थलों पर क्यूआर कोड लगाने की व्यवस्था की जाएगी। इसे स्कैन कर आम नागरिक परियोजना की तकनीकी जानकारी, प्रगति रिपोर्ट, ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों का विवरण देख सकेंगे।

खबर संक्षेप

1.45 करोड़ मतदाताओं तक पहुंचे गणना प्रपत्र

चंडीगढ़। हरियाणा में मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने के लिए चलाया जा रहा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान तेज गति से आगे बढ़ रहा है। निर्वाचन विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार राज्य के 1 करोड़ 45 लाख 76 हजार से अधिक मतदाताओं तक गणना प्रपत्र पहुंचाए जा चुके हैं, जो कुल मतदाताओं का 70.57 प्रतिशत है। राज्य में कुल 2 करोड़ 6 लाख 55 हजार 929 मतदाता हैं। इनके सत्यापन और गणना प्रपत्र वितरण के लिए 20,629 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को लगाया गया है, जो घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक पात्र मतदाता का सही विवरण दर्ज कर शुद्ध और विश्वसनीय मतदाता सूची तैयार करना है।

पंचकूला-फरीदाबाद से शुरू होगा जनगणना का ट्रायल

■ 1500 मोहल्लों में डोर-टू-डोर जुटाई जाएगी जानकारी

■ सफल रहने पर पूरे प्रदेश में चलेगा डिजिटल जनगणना अभियान

योगेंद्र शर्मा ⏭ चंडीगढ़

हरियाणा में जुलाई के पहले सप्ताह से जनगणना के पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत होने जा रही है। ट्रायल के तौर पर पंचकूला और फरीदाबाद जिलों का चयन किया गया है।

पहले चरण में दोनों जिलों के करीब 1500 मोहल्लों में घर-घर जाकर जनसंख्या और आवास संबंधी जानकारी जुटाई जाएगी। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, अभियान केंद्र सरकार के जनगणना विभाग की देखरेख में चलेगा। डोर-टू-डोर सर्वे के दौरान जनसंख्या के साथ-साथ आवासीय सुविधाओं और अन्य आवश्यक विवरण भी दर्ज किए जाएंगे। यदि यह पायलट प्रोजेक्ट सफल रहता है तो बाद में हरियाणा के सभी जिलों में जनगणना अभियान चलाया जाएगा। केंद्र के वरिष्ठ अधिकारी इसकी निगरानी करेंगे। गौरतलब है कि हरियाणा में जनगणना के पहले चरण के तहत मकान और आवास सूचीकरण का कार्य 1 से 30 मई 2026 तक पूरा किया जा चुका है। इस दौरान करीब 60 हजार कर्मचारियों ने घर-घर जाकर मकानों की नंबरिंग, उनकी स्थिति तथा पेयजल, बिजली और रसोई गैस जैसी सुविधाओं का विवरण एकत्र किया था। इससे पहले नागरिकों को स्वगणना के माध्यम से स्वयं जानकारी दर्ज करने की सुविधा भी दी गई थी। हरियाणा में पहली बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से कराई जा रही है। पंचकूला, हिसार और फरीदाबाद में इसका प्री-टेस्ट भी सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है।

661 करोड़ के बैंक घोटाले की जांच तेज आईएएस बेहरा लंबे अवकाश पर गए

आरके सिंह की गिरफ्तारी और रिमांड के बाद जांच का दायरा बढ़ा

सीबीआई पहले ही बेहरा से कर चुकी पूछताछ, 28 अगस्त तक छुट्टी पर

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

हरियाणा के बहुचर्चित 661 करोड़ रुपये के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक-एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक घोटाले की जांच तेज हो गई है। आईएएस अधिकारी आरके सिंह की गिरफ्तारी और सीबीआई रिमांड के बाद अब जांच का दायरा अन्य अधिकारियों तक भी पहुंचता नजर आ रहा है। इसी बीच 2007 बैच के आईएएस अधिकारी डीके बेहरा लंबे अवकाश पर चले गए हैं, जिससे प्रशासनिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। डीके बेहरा वर्तमान में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग में सचिव हैं। घोटाले में उनका नाम सामने आने के बाद पहले ही उनसे कई विभागों की जिम्मेदारियां वापस ली जा चुकी हैं। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की जांच में सामने आया था कि उनके विभाग से स्थानांतरण के बाद भी उनके कथित फर्जी हस्ताक्षरों का इस्तेमाल कर कई चेक और डेबिट नोट प्रोसेस किए गए। बताया गया कि बेहरा 28 अक्टूबर 2025 को संबंधित पद छोड़ चुके थे, लेकिन उनके नाम से वित्तीय लेन-देन जारी रहे। सूत्रों के अनुसार, सीबीआई भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद बेहरा से पूछताछ कर चुकी है। वहीं आरके सिंह की गिरफ्तारी के बाद जांच एजेंसियां वित्तीय लेन-देन, प्रशासनिक मंजूरियों और बैंकिंग दस्तावेजों की कड़ियां जोड़ने में जुटी हैं। बताया जा रहा है कि डीके बेहरा 28 अगस्त तक अवकाश पर रहेंगे। उन्होंने छुट्टी का कारण चंडीगढ़ में नए सरकारी आवास में स्थानांतरण बताया है।

कई तरह की चर्चाएं चल रही

हालांकि घोटाले की जांच और सीबीआई की बढ़ती सक्रियता के बीच उनके अवकाश को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं। उल्लेखनीय है कि इस मामले में सीबीआई पहले ही कई अधिकारियों, बैंक कर्मियों, निजी व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। जांच एजेंसियां अब उन अधिकारियों की भूमिका भी खंगाल रही हैं, जो उस समय निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा थे।

हरियाणा लोकभवन में मना पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस

चंडीगढ़। हरियाणा लोक भवन में शनिवार को पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस उत्साह, गरिमा और सांस्कृतिक उल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष, फर्स्ट लेडी मित्रा घोष, पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ प्रशासक गुलाब चंद कटारिया, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, उनकी पत्नी सुमन सैनी, विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र सिंह कल्याण सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल भारत की सांस्कृतिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक चेतना का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि बंगाल ने समाज सुधार, शिक्षा, साहित्य, कला, विज्ञान और स्वतंत्रता आंदोलन में देश का नेतृत्व किया है तथा अनेक महान विभूतियां देश को दी हैं। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस मनाने की पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' विजन का हिस्सा है।

सीईटी ग्रुप-डी के लिए 77,735 अभ्यर्थियों ने कराया पंजीकरण

■ 26,041 उम्मीदवार अपने आवेदन अंतिम रूप से जमा कर चुके

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएसी) के अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने बताया कि सीईटी ग्रुप-डी भर्ती के लिए अब तक 77,735 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है, जबकि 26,041 उम्मीदवार अपने आवेदन अंतिम रूप से जमा कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में युवाओं का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। हिम्मत सिंह ने अभ्यर्थियों से परीक्षा और भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी किसी भी अफवाह, फर्जी कॉल या सोशल मीडिया पर प्रसारित भ्रामक सूचनाओं से सावधान रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि आयोग भर्ती प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता और योग्यता के आधार पर संचालित कर रहा है तथा सभी जरूरी सूचनाएं आधिकारिक माध्यमों से जारी की जा रही हैं। उन्होंने अभ्यर्थियों को आवेदन पत्र स्वयं भरने की भी सलाह दी।

गोल्डी ढिल्लों गैंग के तीन गुर्गे गिरफ्तार

कैशियर जानकी दास हत्याकांड से जुड़े दूसरे मॉड्यूल का भंडाफोड़

चंडीगढ़। सेक्टर-11 स्थित कुमार केमिस्ट के कैशियर जानकी दास की हत्या के बाद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। क्राइम ब्रांच और ऑपरेशन सेल की संयुक्त टीम ने गोल्डी ढिल्लों गैंग के दूसरे मॉड्यूल का पर्दाफाश करते हुए तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जम्मू-कश्मीर के सांबा निवासी हैप्पी चिब (20), राहुल कुमार (24) और वंश शर्मा (19) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से एक विदेशी निर्मित 9 एमएम सी-47 पिस्टल, एक .32 बोर पिस्टल और नौ जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। एसपी क्राइम मंजित सिंह श्योराण के अनुसार गुप्त सूचना मिली थी कि गैंग के सदस्य अत्याधुनिक हथियारों के साथ चंडीगढ़ में प्रवेश कर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर नाकाबंदी कर तीनों को दबोच लिया गया। जांच में सामने आया है कि 13 जून को हुए जानकी दास हत्याकांड में शामिल आरोपियों के साथ ही ये युवक भी पंजाब आए थे। गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों ने छह युवकों को दो मॉड्यूल में बांटा था। पहला मॉड्यूल हत्या में शामिल था, जबकि दूसरे मॉड्यूल को नई वारदात के लिए सक्रिय किया जाना था।

■ दो पिस्टल और नौ जिंदा कारतूस बरामद, नई वारदात की थी तैयारी

पात्र कच्चे कर्मचारियों को मिलेगी जॉब सिक्योरिटी, सरकार ने तैयार किया पोर्टल

■ नौकरी सुरक्षा के ऑफर लेटर देने की प्रक्रिया तेज, आवेदन से मंजूरी तक सब कुछ होगा ऑनलाइन

■ मानव संसाधन विभाग ने विभागों के लिए जारी किया यूजर मैनुअल

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अपने वादे के अनुरूप पात्र कच्चे कर्मचारियों को नौकरी की सुरक्षा (जॉब सिक्योरिटी) देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसके लिए मानव संसाधन विभाग ने विशेष जॉब सिक्योरिटी पोर्टल तैयार किया है, जिसके माध्यम से कर्मचारियों से जुड़े मामलों और नौकरी सुरक्षा संबंधी प्रक्रियाओं को पूरी तरह डिजिटल एवं पारदर्शी बनाया जाएगा।

सरकार पात्र कर्मचारियों को जॉब सिक्योरिटी के ऑफर लेटर भी जारी करेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पात्र कच्चे कर्मचारियों को नौकरी सुरक्षा प्रदान करने का आश्वासन दिया था। यह मांग लंबे समय से भारतीय मजदूर संघ द्वारा उठाई जा रही थी। मानव संसाधन विभाग ने पोर्टल के संचालन के लिए विभागाध्यक्षों (एचओडी) हेतु विस्तृत यूजर मैनुअल जारी किया है। इसके तहत कर्मचारी ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे, जबकि विभागाध्यक्ष डिजिटल माध्यम से उनकी जांच, सत्यापन और स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी करेंगे। पोर्टल पर आवेदन की स्थिति, टिप्पणियां और अनुमोदन संबंधी सभी जानकारी उपलब्ध रहेगी। मैनुअल में विभागाध्यक्षों के लिए लॉगिन, ओटीपी सत्यापन, आवेदन समीक्षा, स्वीकृति-अस्वीकृति तथा ड्राइंग एंड डिसबर्सिंग ऑफिसर (डीडीओ) से जुड़े प्रावधानों की भी जानकारी दी गई है। इसके अलावा विभागों को पोर्टल के प्रभावी संचालन के लिए तकनीकी सहायता और प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जाएगा।

कर्मचारियों का शोषण कर रही सरकार : हुड्डा

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भाजपा के एक के बाद एक सारे झूठ उजागर होते जा रहे हैं। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में कच्चे कर्मचारियों का वोट लेने के लिए 1,25,000 कौशल कर्मियों को पक्का करने का ऐलान किया था। इसके लिए बाकायदा अधिसूचना जारी करने का भी ड्रामा रचा गया। सरकार ने 15 अगस्त 2024 को, चुनाव से ठीक पहले नोटिफिकेशन जारी किया था। लेकिन लगभग 2 साल बाद भी पक्का नहीं किया, सरकार शोषण कर रही है।

एआई और क्लीन एयर प्रोजेक्ट : हरियाणा में लॉन्च होगा एआई सैंडबॉक्स, बनेगा प्रदेश का अपना एआई डेटा सेंटर

क्लीन एयर प्रोजेक्ट पर 3647 करोड़ और एआई विकास कार्यक्रम पर 474 करोड़ रुपये होंगे खर्च

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में हरियाणा क्लीन एयर प्रोजेक्ट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट और हरियाणा एआई डेवलपमेंट प्रोग्राम के माध्यम से लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। शनिवार को आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने दोनों परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि 3647 करोड़ रुपये की लागत वाले क्लीन एयर प्रोजेक्ट में हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, परिवहन, कृषि, उद्योग, शहरी स्थानीय निकाय और पंचायत विभाग सहित नौ विभाग मिलकर कार्य करेंगे। परियोजना के तहत गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत और झज्जर में 500 इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी तथा 200 चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि एआई डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत पंचकूला में स्टेट एआई डेटा सेंटर और गुरुग्राम में जीएआईसी स्थापित किया जा रहा है, जिस पर 474 करोड़ रुपये खर्च होंगे। प्रदेश का अपना डेटा सेंटर बनने से विभिन्न विभागों का डेटा एकीकृत और पारदर्शी रूप से उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने बताया कि उद्योगों के लिए 40 करोड़ रुपये की लागत से दो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे। साथ ही हरियाणा एआई सैंडबॉक्स व हरियाणा डेटा एक्सचेंज स्थापित होंगे।

■ गुरुग्राम-फरीदाबाद सहित चार शहरों में चलेंगी 500 ई-बसें

एआई गुरुकुल शुरू होगा

प्रदेश में जल्द ही एआई गुरुकुल भी शुरू किया जाएगा, जहां युवाओं को आधुनिक तकनीक आधारित प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

'जल संरक्षित हरियाणा' परियोजना को मिली मंजूरी: नायब सैनी

■ 5714 करोड़ रुपये की परियोजना में विश्व बैंक देगा 4000 करोड़ का ऋण

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश को जल क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 'जल संरक्षित हरियाणा' परियोजना को मंजूरी मिल गई है। 5714 करोड़ रुपये की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए विश्व बैंक ने 4000 करोड़ रुपये के ऋण को स्वीकृति दी है। शनिवार को आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जल संरक्षण और प्रबंधन की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर बूंद पानी का सदुपयोग सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है तथा इसके लिए डिजिटल वाटर मैनेजमेंट सिस्टम विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2026 से 2032 तक चलने वाली इस परियोजना के तहत राज्य की शेष 678 नहरों का पुनर्वास किया जाएगा। साथ ही 620 वाटर कोर्स (खालों) का पुनरुद्धार और 120 नहर आधारित सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाएं लागू की जाएंगी, जिससे हजारों एकड़ भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि भिवानी, जींद, कैथल, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, चरखी दादरी और सिरसा में 147 नई वॉटर बॉडी बनाई जाएंगी, जिससे भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा उपचारित जल के पुनः उपयोग, जलभराव वाली भूमि के सुधार, फसल विविधीकरण और धान की सीधी बिजाई को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

उत्तर रेलवे

सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, अंबाला कैंट, भारत के राष्ट्रपति की ओर से तथा उनके लिए कार्य करते हुए, अंबाला मंडल के अंतर्गत नीचे उल्लिखित 12 हॉल्ट स्टेशनों के लिए 5 वर्षों की अवधि हेतु हॉल्ट ठेकेदार की नियुक्ति के लिए इच्छुक आवेदकों से खुले आवेदन आमंत्रित करते हैं। विवरण निम्नानुसार है:–

1.	NIA संख्या एवं तिथि	CP-10-UMB-Halt-99-pt.-II
2.	रेलवे वेबसाइट	www.nr.indianrailways.gov.in
3.	आवेदन दस्तावेज़ डाउनलोड प्रारंभ तिथि	13.06.26 को 13:00 बजे
4.	आवेदन दस्तावेज़ डाउनलोड अंतिम तिथि	14.07.26 को 15:00 बजे
5.	आवेदन जमा करने की तिथि	14.07.26 को 10:00 बजे, वाणिज्य शाखा, डीआरएम कार्यालय, अंबाला कैंट
6.	आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	14.07.26 को 15:00 बजे, वाणिज्य शाखा, डीआरएम कार्यालय, अंबाला कैंट
7.	आवेदन (बिड) खोलने की तिथि	14.07.26 को 15:30 बजे, वाणिज्य शाखा, डीआरएम कार्यालय, अंबाला कैंट
8.	स्टेशनों के नाम	जेतुके, कुड़नी, भरूर, गोविंदगढ़ खोखर, फकर्सर, मोहनपुरा, ककराला, राय मेहतपुर, भानुपाली, पनोह, तन्द्वाल, पटियाला कैंट

हॉल्ट ठेकेदार के आवंटन से संबंधित सभी निर्देश रेलवे की वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है।

2128/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

3

इजराइल का लेबनान पर फिर हमला, 16 लोगों की मौत

गुस्साया ईरान बोला समझौते की शर्तें तोड़ी | होर्मुज स्ट्रेट फिर बंद

- इजराइल ने समझौते के 8 घंटे के बाद ही फेंके बम, दागे ड्रोन, नेतन्याहू बोले- अटैक जारी रहेंगे
- सुरक्षा से समझौता नहीं करेंगे, 19 जून की रात दोनों देशों के बीच हुआ था सीजफायर का ऐलान

एजेंसी ⏭ तेल अवीव/ तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

ईरान ने फिर से होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर दिया है। ईरान की जॉइंट मिलिट्री कमांड ने सरकारी टीवी पर ऐलान करते हुए कहा कि इसकी वजह लेबनान में हो रहे इजराइली हमले हैं। अमेरिका और ईरान के बीच 17 जून की रात शांति समझौते पर दस्तखत हुए थे। इसमें होर्मुज को खोलने और लेबनान में हमले बंद करने की शर्तें थीं। शांति समझौते पर साइन के बाद भी इजराइल ने लेबनान में हमले जारी रखे थे। इसके बाद ट्रंप की पहल पर 19 जून की रात इजराइल और लेबनान के बीच सीजफायर का ऐलान हुआ था। हालांकि सीजफायर के ऐलान के 8 घंटे बाद ही इजराइल और लेबनान के बीच संघर्ष शुरू हो गया। अल जजीरा के मुताबिक, इजराइली सेना ने ड्रोन और तोपों से नबाहितए इलाके में हमला किया जिसमें कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजराइल अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि इजराइल गाजा और लेबनान में अपने सैन्य अभियान जारी रखेगा।

इजराइल कर रहा लगातार सीजफायर का उल्लंघन

ईरान ने एक बार फिर से होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने का ऐलान कर दिया है। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, देश की टॉप जॉइंट मिलिट्री कमांड ने सरकारी टीवी पर ऐलान किया। खतम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर ने कहा कि अमेरिका ने पीस डील की पहली शर्त को लागू नहीं किया है। इजराइल लगातार दक्षिणी लेबनान में सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है। इसी के जवाब में ईरान ने घोषणा की कि अब होर्मुज से जहाजों की आवाजाही बंद कर दी जाएगी। होर्मुज दुनिया के तेल और गैस व्यापार के लिए बेहद अहम मार्ग माना जाता है। खाड़ी के कई देशों से होने वाला बड़ा ऊर्जा निर्यात इसी रास्ते से गुजरता है। ऐसे में ईरान का यह कदम वैश्विक तेल बाजार और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर बड़ा असर डाल सकता है।

ईरान-अमेरिका वार्ता टली

अमेरिका और ईरान के बीच शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में होने वाली पहली औपचारिक वार्ता टाल दी गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लेबनान में लगातार इजराइली हमलों को लेकर दोनों पक्षों में मतभेद बने हुए हैं। हालांकि, सीएनएन ने एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ स्विट्जरलैंड के लिए रवाना हो गए हैं।

जहाजों की सुरक्षा की गारंटी नहीं

ईरान की रिवोल्यूशनरी फोर्स ने जहाजों को होर्मुज के पास से न गुजरने की चेतावनी दी है। रिवोल्यूशनरी फोर्स ने कहा है कि अगर वे ऐसा करते हैं तो उनकी सुरक्षा की गारंटी नहीं होगी। रिवोल्यूशनरी फोर्स से जुड़ी एक मिलिट्री कमांड ने कहा कि होर्मुज बंद करना पहला कदम है। इजराइल आगे भी लेबनान पर हमला करता रहा तो जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

94 भारतीयों को साथ लेकर 3 तेल टैंकर ने होर्मुज पार किया

भारतीय झंडे वाले तीन तेल टैंकर शनिवार को सुरक्षित रूप से होर्मुज पार कर गए। सेंट्रल पोर्ट एंड शिपिंग मंत्री सर्बानंद सोनेवाला ने बताया कि जहाजों में 8.6 लाख मीट्रिक टन कच्चा तेल व 94 भारतीय क्रू मेंबर शामिल हैं।

- ⏭ देश वैभव 24 जून को वाडीनार बंदरगाह पहुंचेगा। इसमें 2.9 लाख मीट्रिक टन कच्चा तेल और 37 भारतीय क्रू मेंबर हैं।
- ⏭ देश विभोर 24 जून को ही सिक्का बंदरगाह पहुंचेगा। इसमें 2.9 लाख मीट्रिक टन कच्चा तेल और 27 भारतीय क्रू मेंबर हैं।
- ⏭ सैनमार हेराल्ड 1 जुलाई को पारादीप बंदरगाह पहुंचेगा। इसमें भी 2.9 मीट्रिक टन कच्चा तेल और 30 भारतीय क्रू मेंबर हैं।

अमेरिका और कतर का ईरान को फ्रीज्ड फंड देने का प्लान

वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका और कतर मिलकर एक ऐसी योजना पर काम कर रहे हैं, जिसके तहत ईरान को फंसी हुई अरबों डॉलर की रकम मानवीय कामों के लिए दी जा सकती है। इस प्रस्ताव के तहत ईरान को शुरुआती तौर पर करीब 6 अरब डॉलर तक की पहुंच कतर में रखे फंड से मिल सकती है। ईरान का सेंट्रल बैंक इस पैसे का इस्तेमाल खाने-पीने की चीजें, दवाइयां और अन्य मानवीय जरूरतों की चीजें खरीदने के लिए कर सकेगा।

एमपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा के ऊपर चक्रवाती सिस्टम एक्टिव

रुकावट आने से कई राज्य पानी को तरसे | 23 जून से आगे बढ़ेगा मानसून कई राज्यों में बारिश की संभावना

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

12 दिनों से तेलंगाना में अटका मानसून अब आगे बढ़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, 23 जून तक इसके छत्तीसगढ़ पहुंचने की संभावना है। महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में मानसून के लिए जरूरी सिस्टम सक्रिय हो गया है। इससे मध्य भारत में चक्रवातीय घेरा बना हुआ है, जिससे मानसून के बादल उत्तर भारत की तरफ आ सकते हैं। मानसून 15 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है, लेकिन 8 जून से तेलंगाना में अटका हुआ है। बिहार में शुक्रवार को बिजली गिरने से 6 लोगों की और झारखंड में 8 लोगों की जान गई। राजस्थान के 12 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

मध्य और दक्षिण भारत में आंधी-तूफान

मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 21 से 23 जून के बीच आंधी-तूफान और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। वहीं, महाराष्ट्र के विदर्भ में 19 से 23 जून तक ऐसा ही मौसम रहने की उम्मीद है। छत्तीसगढ़ में भी 19 से 23 जून के बीच आंधी-तूफान के साथ बिजली गिरने की आशंका है। तमिलनाडु और पुडुचेरी में 19 से 21 जून के बीच भारी बारिश हो सकती है।

हरदीप पुरी ने किया स्पष्ट

भारत में कम नहीं होंगे पेट्रोल व डीजल के दाम

सोनभद्र (एजेंसी)। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि निकट भविष्य में पेट्रोल-डीजल के दाम कम करने की केंद्र सरकार की कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें दुनिया के अनेक देशों की तुलना में पहले से ही कम हैं। वह शनिवार को लोढ़ी स्थित सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। मंत्री ने कहा कि भारत उन देशों में शामिल है जहां पेट्रोल-डीजल की कीमतों में सबसे कम वृद्धि हुई है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पड़ोसी देशों पाकिस्तान और बांग्लादेश में पेट्रोलियम उत्पादों के दामों में लगभग 80 प्रतिशत तक वृद्धि हुई, जबकि भारत में वृद्धि अपेक्षाकृत काफी कम रही। केंद्र सरकार ने नवंबर 2021 और मई 2022 में एक्साइज ड्यूटी में कटौती की थी।

हमारे यहां कीमतों में सबसे कम वृद्धि हुई

पवनराजे हत्याकांड

20 साल पुराने मामले में पद्मसिंह सहित 8 आरोपी बरी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने शनिवार को 2006 में कांग्रेस नेता पवनराजे निंबालकर और उनके ड्राइवर समद काजी की हत्या के मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री पद्मसिंह पाटिल समेत 8 आरोपियों को बरी कर दिया। स्पेशल सीबीआई जज ने कहा कि अभियोजन पक्ष साजिश की कड़ी साबित करने में विफल रहा। कोर्ट ने मामले के मुख्य गवाह और सरकारी गवाह बने परसमल जैन की गवाही को भी अविश्वसनीय मानते हुए खारिज कर दिया। सीबीआई ने कहा कि वह निचली अदालत के फैसले के खिलाफ अब बॉम्बे हाईकोर्ट में अपील दायर करेगी। पवनराजे निंबालकर और उनके ड्राइवर की 3 जून 2006 को नवी मुंबई के कलंबोली में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

खबर संक्षेप

पीटी उषा सहित 4 को लाइफटाइम अचीवमेंट

नई दिल्ली। एएफआई की ओर से आयोजित पहले इंडियन एथलेटिक्स अवॉर्ड्स समारोह में भारतीय खेल जगत की 4 दिग्गज हस्तियों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। महान धाविका पीटी उषा, पूर्व एशियाई खेल स्वर्ण पदक विजेता गुरबचन सिंह रंधावा, पूर्व राष्ट्रीय मुख्य कोच बहादुर सिंह चौहान शामिल हैं।

44 तीर्थयात्रियों का पहला जत्था नाथू ला दर्रे से रवाना

नाथू ला (एजेंसी)। कैलाश मानसरोवर यात्रा 2026 पर निकले तीर्थयात्रियों का पहला जत्था शनिवार को भारत-चीन सीमा पर स्थित नाथू ला दर्रे से चीन में दाखिल हुआ। इसके साथ ही पवित्र कैलाश मानसरोवर के लिए यात्रा शुरू हो गई। पहले जत्थे में 44 तीर्थयात्री शामिल हैं। इनमें 32 पुरुष और 12 महिलाएं हैं जो बिहार, हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब, तमिलनाडु के लोग शामिल हैं।

भारत में हाई स्पीड रेल का सपना होगा पूरा, 7 नए बुलेट ट्रेन रूटों को हरी झंडी

पटना (एजेंसी)। भारत में हाई-स्पीड रेल यानी बुलेट ट्रेन का सपना देख रहे लोगों के लिए केंद्र सरकार ने एक बहुत बड़ी खुशखबर दी है। देश की पहली मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना पर चल रहे काम के बीच, मोदी सरकार ने देश के अन्य प्रमुख शहरों को जोड़ने के लिए 7 नए बुलेट ट्रेन रूटों की पहचान कर उन्हें मंजूरी दे दी है। इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य देश के सबसे बड़े आर्थिक, औद्योगिक, तकनीकी और पर्यटन केंद्रों को आपस में तेज रफ्तार से जोड़ना है। इसके तहत दिल्ली, वाराणसी, लखनऊ, पुणे, हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे बड़े शहरों के बीच बुलेट ट्रेन चलाने का रास्ता साफ हो गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बिहार की राजधानी पटना में यह जानकारी दी।

अहमदाबाद से मुंबई के बीच चलने वाली भारत की पहली बुलेट ट्रेन की तस्वीर।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

चंपत पर एक्शन तय, ट्रस्टी अनिल भी हटाए जा सकते हैं

अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की जांच में 150 संदिग्धों के नाम सामने आए हैं। इनमें से 25 लोगों पर कार्रवाई के आसार हैं। जिन लोगों से एसआईटी पूछताछ कर चुकी है, उन्हें अगले आदेश तक कहीं बाहर न जाने की चेतावनी दी गई है। शनिवार को छठे दिन एसआईटी जांच के लिए मंदिर पहुंच गई है। जांच पूरी कर एसआईटी सोमवार को सीएम योगी को जांच रिपोर्ट सौंपेगी। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा पर कार्रवाई लगभग तय मानी जा रही है।

चंपत राय

थाने पर हमले का आरोप

टीएमसी नेता जहांगीर खान की पत्नी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता जहांगीर खान की पत्नी सरीना बीबी (37) को शनिवार सुबह गिरफ्तार किया है। उन पर फालता पुलिस स्टेशन पर भीड़ जुटाकर पुलिस और केंद्रीय बलों पर हमले और जहांगीर खान को पुलिस हिरासत से छुड़ाने की कोशिश का आरोप है। पुलिस के मुताबिक, 16 जून को सरीना बीबी ने समर्थकों को जुटाकर थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन कराया था। भीड़ ने सुरक्षाबलों पर पत्थरबाजी भी की। मामले में अब तक 27 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

भीड़ ने सुरक्षाबलों पर भी की थी पत्थरबाजी

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक | India Post Payments Bank
[भारत सरकार का उपक्रम | A Govt. of India undertaking]

TRUSTED BY 13 CRORE ACCOUNT HOLDERS

डाकघर योजनाओं में भुगतान सुविधा, अब आपके पॉकेट में

आईपीपीबी मोबाइल बैंकिंग एप

से करें सुकन्या समृद्धि खाते, पीपीएफ, आरडी/ एलएआरडी, पीएलआई/आरपीएलआई का भुगतान

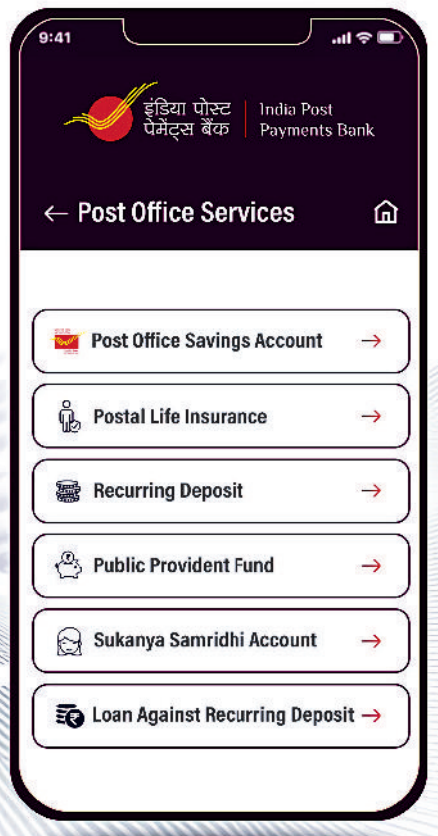

अब लाइन में खड़े होने की जरूरत नहीं। अपने आईपीपीबी मोबाइल ऐप से तुरंत, सुरक्षित और आरामदायक तरीके से करें डाकघर योजनाओं का भुगतान।

SSA में सुविधाजनक जमा | RD/LARD किश्त का समय पर भुगतान | PPF में नियमित निवेश का भुगतान | PLI/RPLI प्रीमियम आसानी से रिन्यू करें | घर बैठे आसानी से करें भुगतान | PLI/RPLI प्रीमियम के लिए ऑटो-पे सुविधा

कॉल करें 155299/ 033-22029000 | अधिक जानकारी हेतु हमारी वेबसाइट देखें: https://ippbonline.bank.in/en/web/ippb/dop-product-payment

@ippbonline | India Post Payments Bank | www.ippbonline.bank.in

कृपया उत्पादों और सेवाओं के नियम और शर्तें www.ippbonline.bank.in पर पढ़ें या अधिक विवरण के लिए निकटतम आईपीपीबी बैंकिंग आउटलेट पर जाएं । नियम एवं शर्तें लागू।

डाउनलोड करने के लिए QR कोड स्कैन करें।
IPPB Mobile Banking App
Google Play | App Store

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश व एफडीसी दवाओं की समीक्षा के आधार पर फैसला

सरकार ने 16 दवा कॉम्बिनेशन पर लगाई रोक

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने देशभर में 16 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेश (एफडीसी) दवाएं बनाने, वितरण, बिक्री और सप्लाई पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इन दवाओं से फायदे की अपेक्षा जोखिम ज्यादा हैं। इन दवाओं में इलाज के लिहाज से कुछ नहीं मिला। मंत्रालय ने कहा कि यह कदम लोगों की सुरक्षा बढ़ाने और दवाओं के सही इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है, ताकि केवल वैज्ञानिक रूप से सही और असरदार दवाएं ही बाजार में उपलब्ध रहें। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और एफडीसी दवाओं की समीक्षा के आधार पर लिया गया। इसके लिए ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड (डीटीएबी) ने विशेषज्ञ समिति बनाई थी। समिति ने कई दवा कॉम्बिनेशन की जांच की और कुछ को अवैज्ञानिक, इलाज के लिहाज से गैर-जरूरी और मरीजों के लिए संभावित रूप से नुकसानदायक पाया। एफडीसी यानी ऐसी दवाएं, जिनमें दो या उससे ज्यादा एक्टिव फॉर्मास्युटिकल इनग्रेडिएंट्स (एपीआई) तय अनुपात में मिलाए जाते हैं।

राज्यों को दिए गए सख्त निर्देश

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इससे पहले भी वैज्ञानिक समीक्षा के बाद कई गैर-तर्कसंगत एफडीसी दवाओं पर रोक लगाई जा चुकी है। सभी राज्यों के ड्रग कंट्रोलर, नियामक संस्थाओं और प्रवर्तन एजेंसियों को इन आदेशों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही दवा निर्माता, आयातक, वितरक और अन्य संबंधित पक्षों को कानून के मुताबिक जरूरी कदम उठाने के लिए कहा गया है।

क्या होती हैं एफडीसी दवाएं

फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) ऐसी दवाएं होती हैं, जिनमें दो या उससे ज्यादा एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट (एपीआई) तय अनुपात में एक ही टैबलेट, कैप्सूल या सिरप में मिलाए जाते हैं। कई बीमारियों में ऐसे कॉम्बिनेशन मरीज के लिए फायदेमंद होते हैं, क्योंकि इससे दवाओं की संख्या कम होती है और इलाज आसान बनता है। हालांकि, हर कॉम्बिनेशन वैज्ञानिक रूप से सही नहीं होता। अगर अलग-अलग दवाओं को बिना पर्याप्त रिसर्च या मेडिकल जरूरत के एक साथ मिला दिया जाए, तो मरीज को अनावश्यक दवाएं भी लेनी पड़ती हैं। इससे साइड इफेक्ट का खतरा बढ़ सकता है, दवा का असर घट सकता है और डॉक्टर के लिए यह पहचानना मुश्किल हो जाता है कि समस्या किस दवा से हुई।

खबर संक्षेप

वर्ल्ड पैरा आर्चरी में चेक रिपब्लिक जाकर निशाना साधेगा युगल गर्ग

कैथल। राजकीय आर्चरी अकादमी चीका के तीरंदाज युगल गर्ग ने एक बार फिर पूरे देश में शहर का नाम रोशन किया है। युगल गर्ग का चयन चेक रिपब्लिक में आयोजित होने वाली वर्ल्ड पैरा आर्चरी सीरीज के लिए भारतीय टीम में हुआ है। हाल ही में मिली रैंकिंग के अनुसार, युगल गर्ग वर्तमान में इस खेल में इंडिया के नंबर वन खिलाड़ी बन चुके हैं। वे इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 27 जून से 5 जुलाई तक चेक रिपब्लिक के दौरे पर रहेंगे। युगल गर्ग के आर्चरी कोच सचिन कुमार ने बताया कि युगल ब्लाइंड कैटेगरी (दृष्टिबाधित श्रेणी) के तीरंदाज हैं। बाक्सिंग कोच गुरमीत सिंह, खजान सिंह, सतनाम सिंह व सुरेश कुमार ने भी युगल गर्ग को बधाई दी। बता दें कि युगल गर्ग इससे पूर्व 2025 में भी नेशनल मेडल जीत चुके हैं।

व्यापारी से मांगी 15 लाख रुपये की रंगदारी

कालांवाली। कालांवाली के एक व्यापारी से 15 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। व्यापारी को तीन अलग-अलग विदेशी मोबाइल नंबरों से कॉल कर धमकी दी गई है। व्यापारी का कहना है कि उसने सभी कॉल रिकॉर्ड और नंबर पुलिस को उपलब्ध करवा दिए हैं। पीड़ित के अनुसार कालांवाली पुलिस चौकी में शिकायत देने पर अधिकारियों ने घटना का संबंध पंजाब से बताते हुए वहां मामला दर्ज करवाने की बात कही। इसके बाद व्यापारी मक्खन निवासी कालांवाली ने बठिंडा एसपी से मुलाकात की। एसपी बठिंडा ने उन्हें सुरक्षा मुहैया करवाने का आश्वासन दिया।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

फतेहाबाद के सदर थाने में बड़ा गोलमाल आया सामने

थाने से 211 पेटी शराब गायब होने पर एसएचओ पर केस, 48 का तबादला

- पिछले सप्ताह सिरसा में भी जब्त अफीम को खुर्द बुर्द करने पर हुई थी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

सदर थाने के मालखाने से 211 पेटी अंग्रेजी शराब गायब होने का मामला सामने आने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। इन शराब की पेटियों को कोर्ट के आदेश के बाद नष्ट किया जाना था, लेकिन यह पेटियां गायब मिली हैं। मामले में तत्कालीन सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर प्रहलाद सिंह के खिलाफ बीएनएस की धारा 256 और 316 (5) के तहत एफआईआर दर्ज कर सस्पेंड कर दिया है। वहीं, एसपी निकिता खट्टर ने पूरे सदर थाना स्टाफ को बदलते हुए 48 पुलिसकर्मियों के तबादले कर दिए हैं।

मामले का खुलासा उस समय हुआ जब एएसपी दिव्यांशी सिंगला ने तीन दिन पहले सदर थाना के मालखाने का रूटीन निरीक्षण किया। रिकॉर्ड के मिलान के दौरान शराब की 211 पेटियां कम मिलीं। इसके बाद एएसपी ने अपनी रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर को सौंपी। प्रारंभिक जांच में मामला सही पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई की गई।

एक सप्ताह पहले मिला था सम्मान

दिलचस्प पहलू यह है कि इंस्पेक्टर प्रहलाद सिंह को पिछले सप्ताह ही उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया था। लेकिन शराब गायब होने का मामला सामने आने के बाद उन्हें पहले लाइन हाजिर किया गया और फिर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई और अब सस्पेंड भी कर दिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी ने सदर थाना के पूरे स्टाफ को बदल दिया। तबादला किए गए 48 कर्मचारियों में एक इंस्पेक्टर, 7 सब-इंस्पेक्टर, 3 एएसआई, 11 हेड कांस्टेबल, 16 कांस्टेबल, 9 एसपीओ तथा 3 एचकेआरएन कर्मचारी शामिल हैं। सभी को अन्य थानों और यूनिटों में तैनात किया गया है।

गुजरात ले जाई जा रही 950 पेटी शराब पकड़ी थी

जानकारी के अनुसार, 1 मार्च 2024 को पुलिस ने गांव अयाल्की के पास नाकेबंदी के दौरान एक कंटेनर से 950 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की थी। यह खेप पंजाब से गुजरात ले जाई जा रही थी। मामले में राजस्थान के सांचौर निवासी चालक दिनेश कुमार को गिरफ्तार किया गया था। बरामद शराब को सील कर सदर थाना के मालखाने में रखवा दिया गया था। पिछले महीने इनमें से कुछ शराब को नष्ट करने के लिए अदालत से अनुमति ली गई थी। आरोप है कि कुछ पेटियों को नष्ट कर दिया गया जबकि 211 पेटियों को खुर्द-बुर्द कर इन्हें भी रिकॉर्ड में नष्ट दिखा दिया गया।

एसआईटी करेगी पूरे मामले की जांच

एसपी निकिता खट्टर ने मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की है। टीम में एएसपी दिव्यांशी सिंगला, डीएसपी जगदीश काजला और एसएचओ सुरेंद्र को शामिल किया गया है। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि गायब हुई शराब की पेटियों को बेचा गया या किसी अन्य तरीके से ठिकाने लगाया गया। दरअसल इस मामले को लेकर एसपी इसलिए भी गंभीर हैं कि पिछले दिनों सिरसा में पुलिस द्वारा भारी मात्रा में पकड़ी गई अफीम में से काफी अफीम को खुर्द-बुर्द कर दिया गया था। यह मामला भी उच्च स्तर पर पहुंचा हुआ है।

हरनामपुरा में बिजली ठीक करने गए कर्मियों का साथ हुआ विवाद

सेलर मालिक ने बिजली कर्मियों पर 6 गोलियां दागीं, सैर कर रहे व्यक्ति को एक गोली लगी

आरोपी बसाबा।

घायल सुरेंद्र।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

गांव हरनामपुरा में शुक्रवार रात बिजली कर्मियों के साथ कहासुनी के चलते खफा सेलर मालिक ने लाइसेंसी रिवाल्वर से फायरिंग कर दी। सेलर मालिक ने छह गोलियां दागीं, जिसमें से एक गोली वहां पर सैर कर रहे व्यक्ति को जा लगी। सदर थाना नरवाना पुलिस ने घायल की शिकायत पर आरोपित सेलर मालिक पर केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

गांव हरनामपुरा में शुक्रवार रात बिजलीकर्मी बिजली ठीक कर रहे थे। उसी दौरान वहां पर सेलर का मालिक गांव धमतान साहिब निवासी बसाबा भी पहुंच गया। बिजली काटने को लेकर बसाबा तथा बिजली कर्मियों के बीच कहासुनी हो गई। तैश में आए बसाबा ने बिजली कर्मियों पर फायरिंग कर दी। एक गोली वहां पर पत्नी के साथ सैर कर रहे गांव हरनामपुरा निवासी सुरेंद्र (42) की जांघ पर जा लगी, जबकि वहां मौजूद बिजलीकर्मी बाल-बाल बच गए। आरोपित वहां से फरार हो गया। घायल व्यक्ति को नरवाना के नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया। घटना की सूचना मिलने पर नरवाना सीआईए प्रभारी सुखदेव सिंह, सदर थाना प्रभारी कमल फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने घटना स्थल से पांच खोल भी बरामद किए हैं।

मांगों को लेकर सदर थाना नरवाना पहुंचे ग्रामीण और कर्मचारी

शनिवार को काफी संख्या में गांव हरनामपुरा के ग्रामीण तथा बिजली कर्मी सदर थाना नरवाना पहुंचे। गिरफ्तारी की मांग पर उन्हें बताया गया कि आरोपित गिरफ्तार हो चुका है। फिर बिजलीकर्मी विभाग की तरफ से अलग से एफआईआर दर्ज करने की मांग पर अड़ गए। जिस पर सदर थाना नरवाना पुलिस ने बिजलीकर्मी के बयान दर्ज कर अलग से दूसरा केस दर्ज करने का आश्वासन दिया। जिसके बाद ग्रामीण तथा बिजली कर्मी थाने से हटे। डीएसपी संजय कुमार ने बताया कि बिजलीकर्मियों के साथ विवाद में गोली चलने से एक व्यक्ति घायल हो गया। आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपित को अदालत से रिमांड पर लिया गया है। आरोपित का लाइसेंस रद्द करने लिए लिखा गया है।

जमीन विवाद में बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या

घायल को अस्पताल ले जाते समय भी आरोपियों ने गाड़ी को टक्कर मारी, गड्ढे में गिरी

कैथल। गांव कसान में जमीनी विवाद के चलते खेत में बिजली की लाइन ठीक करा रहे एक बुजुर्ग पर गांव के ही कुछ लोगों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। आरोप है कि घायल बुजुर्ग को अस्पताल ले जाते समय आरोपियों ने तितरम के पास उनकी कार को पीछे से टक्कर भी मार दी, जिससे वाहन सड़क किनारे गहरे गड्ढे में पलट गया। किसी तरह एंबुलेंस में घायलों को अस्पताल ले जाया गया। राजौंद थाना पुलिस को दी शिकायत में गांव कसान के रामनिवास ने बताया कि वह स्वास्थ्य विभाग में एमपीएचडब्ल्यू के पद पर कार्यरत है। उसके पिता कौर सिंह और चाचा बलवान का गांव के ही हरिकेश, अमित और तरसेम के साथ कृषि भूमि के बंटवारे को लेकर अदालत में मामला चल रहा है। आरोप है कि अमित, तरसेम, सुखचैन, विनीत और उनके अन्य साथी ने खेत में डंडों और लाठियों से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए कौर सिंह को भी बुरी तरह पीटा गया।

महम विधायक बलराम दांगी के कार्यालय पर देर रात फायरिंग कर भागे बाइक सवार

महम। रात को दो बदमाशों ने बेखौफ होकर महम थाने के सामने कांग्रेस विधायक बलराम दांगी के दफ्तर पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर फरार हो गए। पुलिसकर्मियों ने रात को इसकी कोई जांच नहीं की। कार्यालय का कर्मचारी सुबह 7 बजे कार्यालय खोलने के लिए पहुंचा तो वहां पर ऑफिस के शीशे टूटे हुए थे। इसकी जानकारी कर्मचारी ने विधायक बलराम दांगी को फोन पर दी। बलराम दांगी ने उसको फोन पर फोटो भेजने के लिए कहा। बलराम दांगी ने जब फोटो देखे तो वे हैरान रह गए कि शीशों के अंदर गोलियों के गोल छेद बने हुए थे। ऑफिस के सामने गोलियों के 4 खोल पड़े हुए हैं। फुटेजे में एक बजकर 17 मिनट पर दो नकाबपोश युवक दिल्ली की ओर से कार्यालय के सामने आते हैं। यहां पर चार पांच राउंड फायरिंग करके भाग जाते हैं। अभी कारणों का खुलासा नहीं हुआ है।

2 दिन से मौत से लड़ रही कलायत की बेटी

बढ़सीकरी खुर्द में बिजली के जर्जर पोल के नीचे दबकर बुरी तरह घायल हुई 11वीं की छात्रा

कलायत। कलायत के गांव बढ़सीकरी खुर्द की 16 वर्षीय बेटी स्नेहा 2 दिन से जिंदगी और मौत के बीच लड़ाई लड़ रही है। छात्रा के पिता सत कुमार ने बताया कि वीरवार को जब बेटी गली से निकल रही थी तो अचानक बिजली का जर्जर पोल टूटकर स्नेहा पर गिर गया। खून से लथपथ बेटी को कड़ी मशक्कत के बाद पोल के नीचे से निकाला गया। बेहोशी की हालत में उसे अस्पताल में ले जाया गया। अब कैथल के एक निजी अस्पताल में उपचार जारी है। सत कुमार ने बताया कि वह ऑटो चलाकर परिवार का गुजर बसर करता आया है। घर में दो बेटियां हैं। वहीं, समाजसेवी सुशील कुमार ने बताया कि सरकारी स्कूल की 11वीं कक्षा की छात्रा स्नेहा फिलहाल किसी को न तो पहचान पा रही है और न कुछ बोल रही। इतना बड़ा हादसा होने के बावजूद अब तक न तो सख्त कार्रवाई हुई है और न ही परिवार की मदद के लिए विभाग आगे आया है।

एनकाउंटर में बदमाश के पैर में मारी गोली

- पांच हजार रुपये के इनामी बदमाश की पलवल में पुलिस के साथ मुठभेड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पलवल

सीआईए स्टाफ पलवल की टीम ने एक मुठभेड़ के बाद दिघौट क्षेत्र के नामी बदमाश बलराम उर्फ बबली को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। मुठभेड़ के दौरान आरोपी द्वारा पुलिस पार्टी पर सीधी फायरिंग की गई, जिसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करते हुए आरोपी को पैर में गोली लगने के बाद काबू किया। अलसुबह सीआईए स्टाफ पलवल के इंचार्ज निरीक्षक रविन्द्र कुमार को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि कई मामलों में वांछित बदमाश दिघौट निवासी बदमाश बलराम उर्फ बबली अवैध हथियार के साथ किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में दिघौट-पिंगौड रोड पर पिंगौड नाले के पास घूम रहा है। उस पर पांच हजार रुपये का इनाम भी घोषित है। सूचना के आधार पर सीआईए इंचार्ज ने तुरंत रेडिंग पार्टी तैयार की और दो सरकारी गाड़ियों में बिना बत्ती जलाए मौके पर घेराबंदी की।

पुलिस की गाड़ी को देखकर आरोपी खेतों की तरफ भागने लगा। जब पुलिस टीम ने उसे रुकने और आत्म समर्पण करने की चेतावनी दी, तो आरोपी बलराम ने अवैध देशी पिस्तौल निकालकर सीधे निरीक्षक रविन्द्र कुमार पर जान से मारने की नीयत से दो राउंड फायर किए, जिसमें वे बाल-बाल बचे। सीआईए इंचार्ज ने अपनी टीम व आत्मरक्षा में तथा आरोपी को काबू करने के लिए आरोपी के पैरों को निशाना बनाकर नियंत्रित जवाबी फायर किया। गोली आरोपी के दाहिने पैर में लगी, जिसके बाद पुलिस टीम ने उसे सावधानीपूर्वक काबू कर लिया।

चैरिटेबल अस्पताल में सीएम फ्लाइंग की रेड, डॉक्टर नहीं दिखा पाई डिग्री, दवाइयां जब्त

रेवाड़ी। अस्पताल में जांच करते हुए टीम।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

सीएम फ्लाइंग व स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कोसली के गुड़ियानी रोड स्थित बिमला देवी चैरिटेबल अस्पताल में छापामारी की। टीम ने अस्पताल में रखी दवाइयों, दस्तावेजों और स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित रिकॉर्ड की जांच की। जांच के दौरान अस्पताल की संचालिका मधु अपनी मेडिकल डिग्री व रजिस्ट्रेशन सहित जरूरी कागजात पेश नहीं कर पाई। स्वास्थ्य विभाग से डॉ. विद्यासागर ने बताया कि विभाग को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि इस पेन क्लिनिक एवं गिट्टी थेरेपी सेंटर में बिना सक्षम चिकित्सक के मरीजों का उपचार किया जा रहा है। जांच के दौरान अस्पताल में भारी मात्रा में दवाइयां व उपकरण मिले, जिन्हें सील कर दिया गया है। वहीं अस्पताल प्रबंधन संबंधित चिकित्सकों की डिग्रियां तथा दवाइयों से जुड़े आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोसली थाने में अस्पताल पर कानूनी कार्रवाई के लिए लिखित शिकायत दी गई है।

राशिफल

मेष — मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष — अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार के स्वास्थ का ध्यान रखें। कारोबार में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है।

मिथुन — मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय के स्रोत विकसित हो सकते हैं।

सिंह — शैक्षिक कार्यों में कठिनाई हो सकती है। सचेत रहें। किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार के लिए विदेश यात्रा लाभप्रद रहेगी।

कन्या — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु नौकरी में अफसरों से व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कोई जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। आत्मसंयत भी रहे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। परन्तु जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

मकर — वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

कुंभ — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। क्रोध से बचें। सन्तान के स्वास्थ का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन — शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

पाकिस्तान की धार्मिक यात्रा के लिए सिख जत्था रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। पाकिस्तान की धार्मिक यात्रा के लिए रवाना होता सिख जत्था।

हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी द्वारा महाराजा रणजीत सिंह की बरसी पर पाकिस्तान की धार्मिक यात्रा के लिए एक जत्था रवाना किया गया। इस जत्थे को हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी कुरुक्षेत्र के प्रधान जत्थेदार जगदीश सिंह झीडा, मेंबर हरमनप्रीत सिंह, इंद्रजीत सिंह, बीबी जसबीर कौर मसाना और सुखजिंदर सिंह मसाना ने कुरुक्षेत्र के ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी से रवाना किया। इस दौरान हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के अतिरिक्त सचिव राजपाल सिंह दुनिया माजरा पीए, एडिशनल सेक्रेटरी सतपाल सिंह डाचर, उप सचिव धर्म प्रचार अमरिंदर सिंह, प्रधान के निजी सचिव शमशेर सिंह, मैनेजर हरमीत सिंह, सहायक सुपरवाइजर रघुवीर और बीबी गुरप्रीत कौर सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहा। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के प्रधान जत्थेदार जगदीश सिंह झीडा ने पाकिस्तान धार्मिक यात्रा पर जा रहे जत्थे को शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि इस बार 68 लोगों का वीजा आया है। यह जत्था श्रीदरबार साहिब श्रीअमृतसर साहिब में रात्रि विश्राम के बाद 21 जून को बाघा बॉर्डर से पाकिस्तान में प्रवेश करेगा। यह जत्था गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब, गुरुद्वारा डेरा साहब, गुरुद्वारा पंजा साहिब सहित अन्य गुरुद्वारा साहिबान के दर्शन कर 30 जून को वापस आएगा।

एक जत्थे के न जाने पर जताया दुख

हरियाणा कमेटी के प्रधान ने कहा कि श्रीहेमकुंठ साहिब की यात्रा पर जाने वाली संगत को रोकना दुर्भाग्यपूर्ण है। संगत के साथ गलत व्यवहार करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग हरियाणा कमेटी द्वारा संबंधित राज्य के पुलिस महानिदेशक से की गई है। श्री गुरु अर्जन देव जी की शहीदी गुरु पर्व पर हरियाणा से पाकिस्तान जाने वाले जत्थे को मंजूरी न मिलने पर झीडा ने दुख जताया।

कार्यालय नगर पंचायत गुरूर, जिला - बालोद (छ.ग.)
Email : nagarpanchayatgurur@gmail.com, Phone No : 07749-299800,

-:: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण द्वितीय सूचना ::-
Main Portal: http//eproc.cgstate.gov.in

क्रमांक/377/लो.नि.वि./ई-निविदा/2026-27 गुरूर, दिनांक 19/06/2026

नगर पंचायत गुरूर अनुपचारित जल प्रबंधन घटक अंतर्गत निम्नानुसार कार्य के लिये छ.ग. के लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग, छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा जारी प्रभावशील दर अनुसूची अनुसार लमसम दर पर कार्य संपादन हेतु दिनांक 06/07/2026 तक ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है -

क्र.	कार्य का नाम	टेण्डर सिस्टम नम्बर	अनु. लागत (लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि	प्रभावशील दर अनुसूची
01	02	03	04	05	06	07	08
1	Construction, Testing, Commissioning of all the Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) work including 05 Years of Operation and Maintenance of the Entire System in NAGAR PANCHAY-AT, GURUR under SBM 2.0	193760	388.65	1.94	ब एवं उच्च वर्ग	15 माह	LUM-SUM

उपरोक्त कार्य का निर्धारित अमानत राशि, निविदा की सामान्य शर्तें, निविदा दस्तावेज व कार्य से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में नगर पंचायत गुरूर कार्यालय के लोक कर्म शाखा से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल Main portal:eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत गुरूर, जिला बालोद (छ.ग.)

शब्द पहेली - 6263

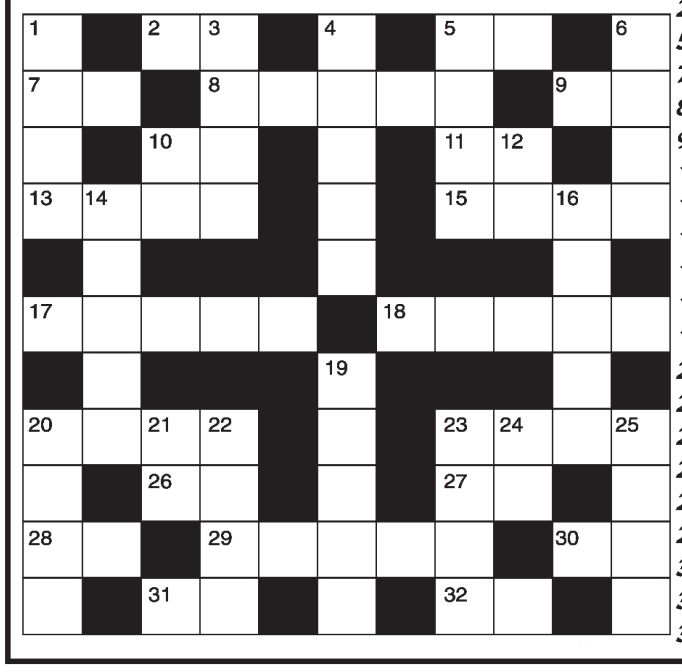

बाएँ से दाए-
2. पिता की बहन-2
5. कठोर-2
7. खून, रुधिर-2
8. मशरुम, फफूंद-3,2
9. इसे मकड़ी बुनती है-2
10. अपशिष्ट पदार्थ-2
11. धैर्य, संयम-2
13. स्फूर्ति, चंचलता-4
15. ओस, निशाजल-4
17. राशि निर्धारण-5
18. हलकापन-5
20. खालीपन, रिक्तता-4
23. स्नान करवाना-4
26. दंड-2
27. कार्य-2
28. कुर्बानी-2
29. कहानी का लेखक-5
30. प्रतिबिंब-2
31. गाना, नगमा-2
32. मां की मां-2

ऊपर से नीचे
1. बंदूक की गोली-4
3. व्याकुलता-4
4. दौरान, मध्य में-5
5. सत्ताधारी-4
6. नरम, अकठोर-4
10. शराब, सुरा-2
12. ईश्वर-2
14. गतिशीलता-5
16. नवीन, नया -2,3
19. उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20. प्रतिपूर्त व अनुपुर्त करना (अंग्रेजी-4)
21. मवाद-2
22. नाजुकता-4
23. मना करना-4
24. मैं का बहुवचन -2
25. नाकारा, बेकार-4

शब्द पहेली -6262 का हल

का	म	या	ब	■	र	■	श	ब	न	म
■	म्मी	■	र	फू	च	क्र	र	■	र्म	■
आ	■	मा	स	■	ना	■	मा	ह	■	प्र
स	ह	ला	ना	■	का	■	ना	रा	य	ण
■	थ	■	■	■	र	■	■	■	ज्ञो	■
ह	क	ब	का	ना	■	अ	प	ना	प	न
■	र	■	■	■	ख	■	■	■	वी	■
मे	घा	ल	य	■	ल	■	क	म	त	र
घ	■	त	म	■	ना	■	ल	त	■	क्षा
■	यं	■	रा	सा	य	नि	क	■	कै	■
म	हा	रा	ज	■	क	■	ल	म्बो	द	र

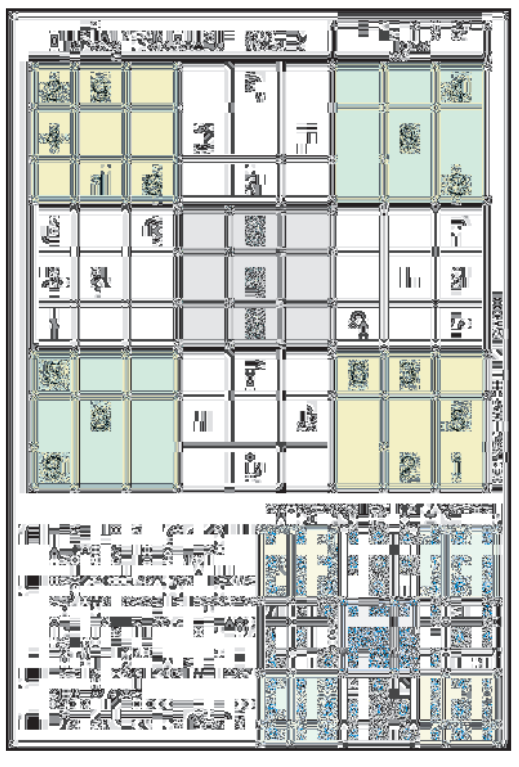

नई दिल्ली एम्स के अनुसंधानकर्ताओं की अध्ययन रिपोर्ट में दावा

नियमित योगाभ्यास से अल्जाइमर, आंतों की सेहत में सुधार के साथ अवसाद में कमी संभव

भाषा ▶▶| नई दिल्ली

योग अल्जाइमर रोग से पीड़ित लोगों की संज्ञानात्मक क्षमता को बेहतर बनाने, अवसाद के लक्षणों को कम करने और आंत के अच्छे बैक्टीरिया को आंशिक रूप से बहाल करने में मदद कर सकता है। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के अनुसंधानकर्ताओं की नई अध्ययन रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। जून में 'जर्नल ऑफ अल्जाइमर डिजीज' में प्रकाशित एनाटॉमी और न्यूरोलॉजी (तंत्रिकातंत्र) विभाग के इस संयुक्त अध्ययन में पाया गया कि 12 हफ्ते के एक व्यवस्थित योग कार्यक्रम से अल्जाइमर रोग से कम पीड़ित मरीजों की संज्ञानात्मक क्षमता (सोचने-समझने की क्षमता) और मूड में काफी सुधार हुआ, साथ ही उनकी आंत के सूक्ष्मजीवों में भी अच्छे बदलाव देखे गए।

योग सुरक्षित, सुलभ और कम लागत वाला उपचार

एम्स में एनाटॉमी विभाग की प्रोफेसर और इस अध्ययन की मुख्य लेखिका डॉ. रीमा दादा ने कहा कि इस अध्ययन से प्राथमिक सबूत मिलता है कि योग जैसी जीवनशैली से जुड़ी गतिविधियां आंत को सेहतमंद बनाने में मदद कर सकती हैं। उपयोग के बाद लाभदायक बैक्टीरिया का बढ़ना और सूजन पैदा करने वाले सूक्ष्मजीवों का कम होना उन जैविक प्रक्रियाओं की ओर इशारा करता है जो दिमाग की सेहत को बेहतर बनाने में योगदान दे सकती हैं।" एम्स दिल्ली में न्यूरोलॉजी (तंत्रिकातंत्र) विभाग की प्रमुख डॉ. मंजरी त्रिपाठी ने कहा, "योग को अल्जाइमर रोग का इलाज नहीं माना जा सकता, लेकिन हमारे नतीजे बताते हैं कि यह शुरुआती अल्जाइमर पीड़ितों में सोचने-समझने की क्षमता में हल्की कमी के मामलों में उपयोगी सहायक चिकित्सा के तौर पर काम कर सकता है। हमने सोचने-समझने की क्षमता और मूड में सुधार के साथ-साथ आंत के सूक्ष्म जीवों में अच्छे बदलाव देखे, जो 'गट-ब्रेन एक्सिस' (आंत-मस्तिष्क संबंध) पर संभावित प्रभाव का संकेत देता है। अध्ययन में हल्के अल्जाइमर से पीड़ित और दिमागी रूप से स्वस्थ लोग शामिल थे।

12 सप्ताह तक रोज 60 मिनट के योग सत्र में हिस्सा लिया

अल्जाइमर के मरीजों ने 12 सप्ताह तक हर दिन 60 मिनट के योग सत्र में हिस्सा लिया, जबकि शोधकर्ताओं ने इस प्रक्रिया से पहले और बाद में उनकी दिमागी क्षमता, अवसाद के लक्षणों और आंत के मौजूद सूक्ष्म जीवों का आकलन किया।

नतीजों के अनुसार, योग सत्र के बाद 'मॉन्ट्रियल कॉग्निटिव असेसमेंट' से संबंधित अंक (जो दिमागी कार्यक्षमता को मापने का एक आम तरीका है) में काफी सुधार हुआ। इसके अलावा 'मरीज स्वास्थ्य प्रश्नावली-नौ' (पीएचक्यू-9) का इस्तेमाल करके मापे गए अवसाद से जुड़े अंक में भी काफी कमी देखी गई। अध्ययन संबंधी निहित सीमाओं के बावजूद, यह अध्ययन उन सबूतों में एक और कड़ी जोड़ता है जिनसे पता चलता है कि अल्जाइमर रोग से पीड़ित लोगों की संज्ञानात्मक और भावनात्मक सेहत को बेहतर बनाने के लिए योग एक आसान, कम खर्चीला और बिना दवा वाला सहायक उपाय हो सकता है।

आयुष मंत्रालय का 'योग संगम' पोर्टल

प्रधानमंत्री के साथ योग अभ्यास के लिए छह लाख संगठनों ने कराया पंजीकरण

भाषा ▶▶| नई दिल्ली

देश में '12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' (आईडीवाई-2026) मनाने की तैयारियों के बीच आयुष मंत्रालय के 'योग संगम' पोर्टल पर पंजीकरण कराने वाले संगठनों का आंकड़ा छह लाख के पार पहुंच गया है। 'आईडीवाई 2026' की इस प्रमुख पहल 'योग संगम' का मुख्य उद्देश्य 'कॉमन योग प्रोटोकॉल' (सीवाईपी) पर आधारित समकालिक योग सत्रों के माध्यम से देश भर के विभिन्न संस्थानों और स्थानीय समुदायों को एक मंच पर लाना है। मंत्रालय के अनुसार, किसी एक मुख्य स्थान पर केंद्रीय आयोजन किए जाने की पारंपरिक सीमा से आगे बढ़ते हुए, इस पहल के जरिए देश भर के संगठन अपने-अपने परिसरों में योग सत्र आयोजित कर सकेंगे। इससे वे अपने स्तर पर कार्यक्रम करते हुए भी इस साझा राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा बन सकेंगे। सभी पंजीकृत संगठन राष्ट्रव्यापी 'योग संगम' अभियान से जुड़ने और 21 जून को प्रधानमंत्री मोदी के साथ एक ही समय पर योग अभ्यास करने के लिए अपने-अपने स्थानों पर प्रतिभागियों को एकत्र करेंगे। कुल पंजीकरणों में 3.22 लाख से अधिक सरकारी संस्थान, लगभग दो लाख शैक्षणिक संस्थान, 16,000 से अधिक निजी संस्थान, 5,000 से अधिक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) और अन्य श्रेणियों के करीब 44,000 संगठन शामिल हैं।

खबर संक्षेप

बेस्ट कर्मियों की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी

मुंबई। बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट' (बेस्ट) के कर्मचारी शनिवार को लगातार दूसरे दिन भी हड़ताल पर हैं। महाराष्ट्र सरकार के द्वारा आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम लागू किए जाने के बावजूदकर्मचारियों ने हड़ताल जारी रखी है। लोग लोकल ट्रेनों और मेट्रो सेवाओं, टैक्सियों, ऑटो-रिक्शा और कैब सेवा पर निर्भर हैं।

कोलकाता एयरपोर्ट पर बंदूक संग शख्स गिरफ्तार

कोलकाता। टीएमसी सांसद अभिषेक बेनर्जी के बीती रात कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचने से पहले हवाई अड्डे पर काफी बवाल हुआ। टीएमसी ने दावा किया कि उनके कार्यकर्ताओं ने एक व्यक्ति को पकड़ा, जिसके बाद बंदूक थी। टीएमसी ने लिखा, भाजपा के एक गुंडे ने अभिषेक की हत्या की योजना बनाई थी।

'अष्टलक्ष्मी' ने वैश्विक मंच पर बनाई पहचान

शिलांग। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि पूर्वोत्तर भारत अब वैश्विक स्तर के कई महत्वपूर्ण स्थलों का केंद्र बन चुका है और यह क्षेत्र सतत एवं समावेशी विकास का उत्कृष्ट उदाहरण पेश कर रहा है। 'अष्टलक्ष्मी' के नाम से प्रसिद्ध पूर्वोत्तर के 8 राज्यों ने मानचित्र पर अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है।

तरुण तेजपाल : आखिरी दलीलों पर 24 को सुनवाई

पणजी। बंबई हाईकोर्ट तहलका पत्रिका के संस्थापक संपादक तरुण तेजपाल के मामले में गोवा सरकार की अंतिम दलीलों पर 24 जून को सुनवाई करेगा। गोवा सरकार ने तेजपाल को 2021 में एक निचली अदालत की ओर से बलात्कार मामले में बरी किए जाने के खिलाफ अपील दायर की हुई है।

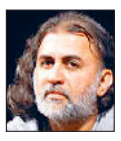

पीएम ने ओडिशा को 47,600 करोड़ की सौगात दी

कांग्रेस राज में पिछड़ रहा पूर्वी भारत, अब विकास का गेटवे

भाषा ▶▶| रायरंगपुर

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में पूर्वी भारत हमेशा पिछड़ा रहा। लेकिन आज यही क्षेत्र देश के विकास का मुख्य द्वार बन रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पूर्वी भारत कांग्रेस के शासनकाल के दौरान पिछड़ा हुआ रहा और अब यह प्रगति तथा विकास के प्रवेश द्वार के रूप में उभर रहा है। ओडिशा में मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में 47,600 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने के बाद मोदी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और कल्याणकारी योजनाएं गरीबों के जीवन में बदलाव ला रही हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत कांग्रेस के शासनकाल के दौरान पिछड़ा हुआ रहा और अब यह प्रगति तथा विकास के प्रवेश द्वार के रूप में उभर रहा है।" मोदी ने कहा कि केंद्र का नजरिया पूर्वी भारत के विकास के माध्यम से देश का विकास करना है और सरकार 'पूर्वोदय' नीति पर काम कर रही है। "ओडिशा विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। केंद्र का दृष्टिकोण पूर्वी भारत के विकास के माध्यम से भारत का विकास करना है। इसीलिए हम 'पूर्वोदय' नीति पर काम कर रहे हैं।' मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार ओडिशा के संसाधनों को संभावनाओं में बदल रही है।

राष्ट्रपति के गांव पहुंचे प्रधानमंत्री

पीएम मोदी के लिए यह दिन बेहद खास रहा। शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जन्मदिन भी था। पीएम मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि ओडिशा की बेटी आज देश के सर्वोच्च पद पर है। वह हम सभी का मार्गदर्शन कर रही हैं। यह पूरे देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने मयूरभंज और ओडिशा की पहचान को पूरे विश्व में मजबूत किया है। पीएम मोदी राष्ट्रपति के ससुराल पहाड़पुर गांव भी गए। वहां उन्होंने स्थानीय बच्चों के स्कूल का दौरा किया। पीएम ने बच्चों के साथ कुछ यादगार पल बिताए। उन्होंने इसे अपने लिए एक शैक्षणिक और कुछ नया सीखने वाला अनुभव बताया।

बंगाल में गरजे पीएम मोदी

- 600 मेगावाट की ऊपरी इंद्रावती पंप भंडारण परियोजना तथा आईबी ताप विद्युत संयंत्र के चरण-द्वितीय शामिल हैं, जिसमें दो 660 मेगावाट की इकाइयां होंगी।
- झारसुगुड़ा के लखनपुर में 'भारत कोल गैसीफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड' परियोजना की आधारशिला रखी
- भुवनेश्वर में प्रतिदिन 300 टन क्षमता वाला नपा ठोस अपशिष्ट आधारित संपीड़ित बायोगैस संयंत्र, भुवनेश्वर और कटक को जोड़ने वाला काठजोड़ी नदी पर पुल, तथा बौध जिले में सड़क का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण शामिल
- लगभग 732 करोड़ रुपये मूल्य की दो रेलवे परियोजनाएं भी राष्ट्र को समर्पित की गईं
- 19 किलोमीटर लंबी जखपुरा-जाजपुर क्योंझर रोड-बैतरणी रोड परियोजना से अत्यधिक व्यस्त हावड़ा-चेन्नई मुख्य लाइन पर भीड़भाड़ कम होने और यात्री एवं माल ढुलाई दोनों की आवाजाही में सुधार होने की उम्मीद है।
- नेताओं ने बौध में 300 बिस्तरों वाले जिला मुख्यालय अस्पताल भवन, 24 अटल बस स्टैंड और विभिन्न जिलों में नौ स्वचालित परीक्षण केंद्रों का भी उद्घाटन किया।

सिर्फ एक ही शिवसेना है, जिसकी कमान शिंदे के हाथ में: अमित शाह

- केंद्रीय गृहमंत्री बोले ने उद्धव पर 'वोट बैंक' को लेकर तंज कसा

एजेंसी ▶▶| कोल्हापुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया है कि अब शिवसेना में कोई गुट नहीं, बल्कि केवल एक ही शिवसेना है जिसका नेतृत्व एकनाथ शिंदे कर रहे हैं।

यह बयान उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना (यूबीटी) गुट में 'ऑपरेशन टाइगर' के तहत सांसदों के दल-बदल और आंतरिक कलह के बीच आया है, जिससे पार्टी संकट में घिर गई है और उसने अनुपस्थित सांसदों को दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य ठहराने की चेतावनी दी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 20 जून को कहा कि शिवसेना में अब कोई गुट नहीं है और पार्टी की कमान पूरी तरह से एकनाथ शिंदे के हाथों में है। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में एक धन्यवाद रैली को संबोधित करते हुए, शाह ने शिवसेना (यूबीटी) में बगावत की अटकलों के बीच कहा कि पहले हमें शिवसेना के शिंदे गुट को (एकनाथ) शिंदे के नाम से बुलाना पड़ता था। अब कोई गुट नहीं है। सिर्फ़ एक ही शिवसेना है। इस कार्यक्रम के दौरान, शाह ने कोल्हापुर के माता अंबाबाई मंदिर में पूजा-अर्चना की और मंदिर के आधुनिकीकरण व सौंदर्यीकरण के लिए आधारशिला भी रखी।

जुबानी जंग ने पकड़ा जोर

शिंदे का उद्धव पर तंज, 'कुत्ते भौंकते हैं, टाइगर शिकार करता है..यह ट्रेलर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शिवसेना के 60वें स्थापना दिवस पर एक-दूसरे से बिल्कुल अलग दावे किए। एक ने टाइगर, शेर, भौंकते कुत्तों और एक ऐसे राजनीतिक 'ट्रेलर' की बात की, वहीं दूसरे ने पार्टी कार्यकर्ताओं से भावुक अपील करते हुए कहा कि अगर उनका उन पर भरोसा खत्म हो जाए तो वे पद छोड़ देंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि शिवसेना को 'चोरों और गद्दारों' के हाथों में नहीं पड़ने देना चाहिए।

उद्धव के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के लिए नए संकट के बीच यह टकराव सामने आया है, क्योंकि उसके 9लोकसभा सांसदों में से 6 के प्रतिद्वंद्वी शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने की आशंका है।

केरल में इबोला का डर खत्म, संदिग्ध की जांच रिपोर्ट में पुष्टि नहीं हुई

कोट्टायम (केरल)। केरल में इबोला की संदिग्ध मरीज की जांच रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि नहीं होने से इस बीमारी का डर खत्म हो गया है। अधिकारियों के मुताबिक, 52-वर्षीय एक महिला हाल ही में दक्षिण सूडान से युगांडा होते हुए केरल आई, जिसमें इबोला जैसे लक्षण दिखने के संदेह के आधार पर उसे कोट्टायम मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) से शुक्रवार देर रात मिली जांच रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है।

पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री को घेरा

देश बाद में, प्रचार पहले... ट्रंप के सामने नाविकों की मौत पर चुप रहे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- सरकार का मंत्र 'नेशन फर्स्ट' नहीं, बल्कि 'पीआर फर्स्ट'

कांग्रेस के मीडिया और पब्लिसिटी विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों के मारे जाने का मुद्दा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने न उठाने पर नाराजगी जताई गई है।

विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार का मंत्र 'नेशन फर्स्ट' नहीं, बल्कि 'पीआर फर्स्ट' है यानी देश बाद में, प्रचार पहले। फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन के इतर बुधवार को मोदी और ट्रंप के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई थी। दोनों नेताओं ने वहां सार्वजनिक बयान भी दिए थे। इस बैठक को लेकर खेड़ा ने निशाना साधा।

उन्होंने दावा किया कि बैठक में प्रधानमंत्री मोदी अपनी नजरें नीची करके बैठे थे।खेड़ा ने कहा कि वह सोफे पर सिमटकर बैठे थे। वह ट्रंप को 'एक्सीलेंसी' कहकर संबोधित कर रहे थे। यह देखना सच में बेहद शर्मनाक था। हमने पहले कभी कोई प्रधानमंत्री इस तरह का नहीं देखा।

प्रदर्शन कर रहे दीपके का बड़ा ऐलान

हम यहीं रुकेंगे, और यहीं सोएंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही कॉकरोट जनता पार्टी दिल्ली के जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रही है। आसपास के राज्यों के छात्र भी इस प्रदर्शन में पहुंचे और थाली और चम्मच बजाकर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के चीफ अभिजीत दीपके ने बड़ा ऐलान किया। यहीं रुकेंगे यहीं सोएंगे जब तक प्रधान इस्तीफा नहीं दे देते।

- राज्य के तीन दिवसीय दौरे पर पहुचें नितिन नबीन

पंजाब में चुनाव को लेकर एक्शन मोड में भाजपा

भाषा ▶▶| चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन पार्टी का शीर्ष पद संभालने के बाद शनिवार को पहली बार पंजाब पहुंचे। राज्य के तीन दिवसीय दौरे के दौरान वह अमृतसर, जालंधर और लुधियाना में कई धार्मिक, सामाजिक और संगठनात्मक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

नबीन का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब भाजपा पंजाब में अपना राजनीतिक आधार बढ़ाने की कोशिश कर रही है और 2027 के विधानसभा चुनाव में सभी 117 सीट पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। उनके दौरे को पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह भरने और अगले वर्ष की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की तैयारियों की समीक्षा के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। नबीन का पंजाब दौरा अहम विधानसभा चुनाव से पहले जाट सिख नेता केवल सिंह ढिल्लों को भाजपा की प्रदेश इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के कुछ ही समय बाद हो रहा है। भाजपा ने 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पहली बार किसी जाट सिख नेता को पंजाब इकाई की कमान सौंपी है।

छत्तीसगढ़ के सोनहत में 16 जून को हुई थी वारदात

भाजपा नेता सहित तीन लोगों को जिंदा जलाने के आरोपियों में से तीन ने किया आत्मसमर्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरिया

छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में सोनहत ब्लॉक के नौगई गांव में हुए खौफनाक तिहरे हत्याकांड मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। इस मामले के चार मुख्य आरोपी, जिनमें भाजपा के स्थानीय नेता भी शामिल हैं,चारों ने पुलिस के बढ़ते दबाव के आगे आत्मसमर्पण कर दिया है। हालांकि, एक अन्य आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है उसकी तलाश में छापेमारी जारी है। यह दिल दहला देने वाली वारदात 16 जून की रात नौगई इलाके में हुई थी, नौगई गांव में एक भाजपा नेता सहित तीन लोगों को उनकी ही कार में जिंदा जला दिया गया था। इस जघन्य हत्याकांड के बाद से पूरे इलाके में आक्रोश और दहशत का माहौल बना हुआ था।

यह है मामला: 16 जून की रात बीजेपी नेता समेत तीन लोगों को कार में पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया गया था। पकड़े गए आरोपियों में भाजपा के नेता ही शामिल हैं।

अब तक कुल 8 आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

घटना के तुरंत बाद सक्रिय हुई कोरिया पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले में पहले ही चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। ताजा आत्मसमर्पण के साथ, इस खौफनाक नरसंहार में अब तक कुल 8 आरोपी पुलिस की हिरासत में आ चुके हैं। पुलिसिया जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि इस वीभत्स हत्याकांड को अंजाम देने वाले और पकड़े गए आरोपियों में भाजपा के स्थानीय नेता भी शामिल हैं। सरेंडर करने वालों में मनोज त्रिपाठी, अमन त्रिपाठी, आशुतोष त्रिपाठी, निशांत त्रिपाठी शामिल हैं।

योग एक्सप्रेस में हुई वारदात

शाहदरा स्टेशन पर सीट विवाद में यात्री की पीट-पीटकर हत्या

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन पर शनिवार को योग एक्सप्रेस ट्रेन में 32 वर्षीय एक व्यक्ति के चढ़ने के दौरान यात्रियों के साथ हुई झड़प में मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह बताया जा रहा है कि झड़प के दौरान अन्य यात्रियों ने कथित तौर पर पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार यह घटना प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर हुई। ट्रेन में चढ़ने की आपाधापी के बीच यात्रियों में आपस में झगड़ा हो गया था। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के बागपत निवासी पंकज धामा के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि विवाद के दौरान सह-यात्रियों ने उस पर लात-घूंसों से हमला किया। अधिकारियों ने बताया कि घायल पंकज धामा को तुरंत गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में एमएलसी की गई है।

- मर्डर के दौरान तमाशबीन बने रहे लोग और आरपीएफ कर्मी

संघ कार्यालय पर बम फेंकने के निर्देश दुबई से मिले

रांची के बाद लखनऊ था अगला टारगेट, पहले फायरिंग की थी योजना, बाद में बदला प्लान

एजेंसी ▶▶| रांची

झारखंड के रांची में संघ के कार्यालय पर पेट्रोल बम से हमला सोची-समझी साजिश थी। पुलिस के अनुसार, इसके बाद लखनऊ में भी हमले की योजना थी। पुलिस को पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपी अमन अंसारी ने जानकारी दी। आरोपी के मुताबिक, पेट्रोल बम फेंकने का निर्देश दुबई से मिला था।

अमन अंसारी

दुबई में बैठे तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान (टीटीएच) का गुर्गा आवेश राजपूत उर्फ राणा और सहजाद उर्फ शाहनवाज आलम उर्फ भट्ठी इसका मास्टरमाइंड है। 17 जून को रांची में संघ दफ्तर पर हमले के बाद अमन अंसारी उर्फ गोलू और सैफ अंसारी उसी दिन दोपहर ट्रेन से कानपुर के लिए रवाना हो गए थे, लेकिन रांची पुलिस ने दोनों को गझंडी स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी अमन अंसारी ने बताया कि सितंबर 2025 में वह नौकरी के लिए मुंबई गया था। वहां जिशान नाम के एजेंट ने उसे दुबई भेजा। वहां उसे मरमुम स्टार टेक्निकल सर्विस एलएलसी कंपनी में एसी बनाने का काम मिला।

पुलिस जांच में खुलासा

दुबई से तीन युवकों को तैयार करने को कहा गया

आरोपी अमन अंसारी ने बताया कि वीजा की तारीख समाप्त होने के बाद कंपनी के सुपरवाइजर अहमद अली ने इसी साल उसे वापस मुंबई भेज दिया। इसके बाद वह झारखंड लौट आया। झारखंड आने के बाद अहमद अली ने उसकी फोन पर राणा से बात कराई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि राणा ने उसे संघ दफ्तर पर पेट्रोल बम फेंकने के लिए तीन युवकों को तैयार करने के लिए कहा गया था। इसके बदले में अहमद ने अच्छे पैसे देने की बात कही थी।

देश की राजनीति में उठापटक का दौर जारी है। आज के राजनीतिक परिदृश्य में 'दलबदल' एक ऐसा संक्रामक रोग बन चुका है, जिसने लोकतांत्रिक नैतिकता को हाशिए पर धकेल दिया है। विचारधारा, जो कभी राजनीति का दिशा-सूचक यंत्र हुआ करती थी, अब एक ऐसा आवरण बन गई है जिसे सत्ता की सुविधानुसार कभी भी ओढ़ा और उतारा जा सकता है। 'आया राम, गया राम' की संस्कृति से शुरू हुआ यह सफर आज थोक में दलबदल करने के आधुनिक 'रिसॉर्ट पॉलिटिक्स' तक पहुंच चुका है। दल-बदल विरोधी कानून (एंटी-डिफेक्शन लॉ), जो इसी बुराई को रोकने के लिए लाया गया था, आज के चतुर राजनेताओं ने उसकी भी कानूनी काट ढूंढ़ ली है। यह स्थिति बेहद निराश करने वाली है। इसके सभी प्रावधानों पर पुनर्विचार की भी जरूरत है और कुछ कठोर व अलोकप्रिय निर्णय की भी शिद्दत से दरकार है। आम जनता दलबदलू नेताओं को मतदान के माध्यम से यह कड़ा अहसास करा देगी कि वैचारिक निष्ठा से किया गया कोई भी समझौता उनके राजनीतिक अस्तित्व को समाप्त कर सकता है, केवल तभी इस अनैतिक खेल पर स्थायी विराम लगेगा। अब ज्वलंत प्रश्न यह है कि इस दोहरी धारणा और अवसरवाद का यह नंगा खेल आखिर कब तक चलेगा? *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

दलबदल कानून पर पुनर्विचार की दरकार

विश्लेषण

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

भारतीय राजनीति के इतिहास में 1960 और 70 के दशक को राजनीतिक अस्थिरता और अवसरवादिता के एक बेहद चिंताजनक दौर के रूप में याद किया जाता है। इसी राजनीतिक अनैतिकता पर अंकुश लगाने और चुनी हुई सरकारों को स्थिरता प्रदान करने के महान उद्देश्य से वर्ष 1985 में संविधान के 92वें संशोधन के माध्यम से दसवीं अनुसूची जोड़ी गई, जिसे आम बोलचाल में 'दलबदल विरोधी कानून' कहा जाता है। इसका मुख्य लक्ष्य विधायकों और सांसदों को व्यक्तिगत लाभ या मंत्री पद के लालच में अपनी पार्टी बदलने से रोकना था। अगर हम पिछले कुछ वर्षों के राजनीतिक घटनाक्रमों और सत्ता परिवर्तन के खेल पर गहराई से नज़र डालें, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारे चतुर राजनेताओं ने इस कानून की अचूक काट खोज ली है।

वैसे नैतिकता की चर्चा अब किसी भी क्षेत्र में बेमानी और अप्रासंगिक है, लेकिन हाल ही की राजनीतिक उठापटक बेहद निराश करती है। इसके सभी प्रावधानों पर पुनर्विचार की भी जरूरत है और कुछ कठोर व अलोकप्रिय निर्णय भी दरकार हैं। भारतीय राजनीति के इतिहास में उन्नीस सौ साठ और सत्तर के दशक को राजनीतिक अस्थिरता और अवसरवादिता के एक बेहद चिंताजनक दौर के रूप में याद किया जाता है। इसी राजनीतिक अनैतिकता पर अंकुश लगाने और चुनी हुई सरकारों को स्थिरता प्रदान करने के महान उद्देश्य से वर्ष उन्नीस सौ पच्चासी में संविधान के बावनवें संशोधन के माध्यम से दसवीं अनुसूची जोड़ी गई, जिसे आम बोलचाल में 'दलबदल विरोधी कानून' कहा जाता है। इसका मुख्य लक्ष्य विधायकों और सांसदों को व्यक्तिगत लाभ या मंत्री पद के लालच में अपनी पार्टी बदलने से रोकना था। अगर हम पिछले कुछ वर्षों के राजनीतिक घटनाक्रमों और सत्ता परिवर्तन के खेल पर गहराई से नज़र डालें, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारे चतुर राजनेताओं ने इस कानून की अचूक काट खोज ली है।

यह कानून मूल रूप से 'फुटकर' यानी एक या दो विधायकों के दलबदल को तो सख्ती से रोकता है, लेकिन 'थोक' दलबदल को एक तरह से कानूनी और संवैधानिक मान्यता दे देता है। कानून के वर्तमान प्रावधानों के अनुसार, यदि किसी राजनीतिक दल के दो-तिहाई सदस्य एक साथ टूटकर किसी अन्य दल में विलय करते हैं, तो उन पर दलबदल विरोधी कानून का चाबुक नहीं चलता। इसी 'विलय' के प्रावधान का अनुचित फायदा उठाकर कई राज्यों में रातों-रात पूरे के पूरे विधायक दल दूसरी पार्टी में शामिल हो गए और यह सख्त दिखने वाला कानून महज एक मूकदर्शक बना रहा।

खास बातें

- अयोग्यता का निर्णय लेने का अधिकार विधानसभा या लोकसभा अध्यक्ष से वापस लिया जाए क्योंकि उनका पद राजनीतिक दबावों से मुक्त नहीं होता।
- यह अधिकार चुनाव आयोग की बाध्यकारी सलाह पर सीधे राष्ट्रपति या राज्यपाल को दिया जाए, या 'दलबदल निरोधी न्यायाधिकरण' गठित हो

विस सदस्यता से इस्तीफा

हाल के वर्षों में भारतीय राजनीति में एक नया और अधिक चिंताजनक 'मॉडल' सामने आया है, जिसे 'इस्तीफा और पुनः चुनाव' का मॉडल कहा जा सकता है। इस राजनीतिक चाल के तहत सत्ता पक्ष के असंतुष्ट विधायक दलबदल करने के बजाय सीधे अपनी विधानसभा सदस्यता से ही इस्तीफा दे देते हैं। इससे सदन में बहुमत का जादुई आंकड़ा गिर जाता है और सत्तारूढ़ सरकार अल्पमत में आकर भरभरा कर गिर जाती है। इसके तुरंत बाद ये बागी विधायक दूसरी पार्टी के टिकट पर शान से उपचुनाव लड़कर वापस आ जाते हैं और अक्सर नई सरकार में महत्वपूर्ण मंत्री पद भी प्राप्त कर लेते हैं। हालिया राजनीतिक घटनाक्रम इस बात के ज्वलंत उदाहरण हैं कि कैसे इस कानून की मूल भावना और लोकतांत्रिक मर्यादाओं की खुलेआम धज्जियां उड़ाई गई हैं।

विस या लोस अध्यक्ष की भूमिका

इस कानून को कमजोर, निष्प्रभावी और काफी हद तक अप्रासंगिक बनाने में एक बहुत बड़ा और विवादास्पद योगदान विधानसभा या लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका का भी रहा है। दलबदल कानून के तहत किसी भी सदस्य को अयोग्य घोषित करने का अंतिम और एकाधिकार पीठासीन अधिकारी यानी अध्यक्ष के पास सुरक्षित होता है। हमारी विधायिकाएं जो कि स्वतंत्र बहस, वैचारिक विमर्श और जन-आकांक्षाओं के जीवंत मंच होनी चाहिए थीं, वे अब केवल राजनीतिक दलों के संख्याबल का मूक प्रदर्शन करने की जगह बनकर रह गई हैं। इन तमाम गंभीर खामियों और दुरुपयोग के मामलों को देखते हुए यह कहना जल्दबाजी नहीं होगी कि यह कानून अपने वर्तमान स्वरूप में काफी हद तक अपर्याप्त और अक्षम साबित हो रहा है।

आया राम-गया राम

क्या इन कमियों के आधार पर इसे पूरी तरह से अप्रासंगिक मानकर रद्दी की टोकरी में डाल देना चाहिए? इसका उत्तर है-बिल्कुल नहीं। दलबदल कानून ने व्यक्तिगत स्तर पर होने वाली सौदेबाजी और 'आया राम-गया राम' की उस पुरानी, निर्लज्ज संस्कृति पर जरूर एक मजबूत लगाम लगाई है। यदि यह कानून बिल्कुल न हो, तो शायद हर दिन सरकारें गिरेंगी और बनेंगी, जिसका सीधा खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ेगा। दलबदल विरोधी कानून पर निश्चित रूप से एक समग्र और गंभीर पुनर्विचार की तत्काल आवश्यकता है, जिसके तहत कुछ बुनियादी और कड़े सुधार किए जाने चाहिए। सबसे पहला कदम यह होना चाहिए कि अयोग्यता का निर्णय लेने का अधिकार विधानसभा या लोकसभा अध्यक्ष से वापस ले लिया जाए, क्योंकि उनका पद अक्सर राजनीतिक दबावों से मुक्त नहीं होता। इसके बजाय, यह अधिकार चुनाव आयोग की बाध्यकारी सलाह पर सीधे राष्ट्रपति या राज्यपाल को दिया जाना चाहिए, या फिर इसके लिए एक स्वतंत्र और स्वायत्त 'दलबदल निरोधी न्यायाधिकरण' का गठन किया जाना चाहिए, जो अधिकतम तीन महीने के भीतर अपना अंतिम फैसला सुनाए।

कानून की कमियों को दूर करें

इस्तीफे के खेल को रोकने के लिए यह कड़ा प्रावधान होना चाहिए कि यदि कोई विधायक या सांसद दलबदल के इरादे से अपनी सदस्यता से इस्तीफा देता है या अयोग्य घोषित होता है, तो उस पर उस सदन के शेष कार्यकाल तक कोई भी चुनाव लड़ने और किसी भी सार्वजनिक या लाभ के पद को धारण करने पर सख्त और पूर्ण प्रतिबंध होना चाहिए। इसलिए अब वह समय आ गया है कि हमारी संसद, चुनाव आयोग और न्यायपालिका एकजुट होकर इस कानून की तमाम कमियों को दूर करें।

कांग्रेस पर भरोसा नहीं कर पा रहे क्षेत्रीय दल

असमंजस

डॉ. पवन कुमार शर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

वर्तमान भारतीय राजनीति एक अत्यंत दिलचस्प और जटिल दौर से गुजर रही है। एक तरफ जहां केंद्र में बीजेपी का मजबूत और आक्रामक नेतृत्व है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष एकजुट होकर अपनी जमीन बचाने के संघर्ष में है। इस परिदृश्य में दो अहम सवाल राजनीति की समझ रखने वाले हर व्यक्ति को मथते हैं- पहला, क्या क्षेत्रीय दलों को 'दलबदल' या अपनी सरकारें गिरने के डर से बचने के लिए देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के साथ चले जाना चाहिए? दूसरा, तमाम मजबूत क्षेत्रीय क्षत्रप कांग्रेस के साथ पूरी तरह हाथ मिलाने से हिचकते क्यों हैं? इस कशमकश को एम. के. स्टालिन, नीतीश कुमार, अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी के राजनीतिक दृष्टिकोण और उनके राज्यों के परिपेक्ष्य में बेहद बारीकी से समझा जा सकता है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक प्रमुख एम. के. स्टालिन का कांग्रेस के साथ रिश्ता वर्तमान राजनीति में सबसे सहज और स्थिर माना जाता है। इसका स्पष्ट कारण है कि तमिलनाडु की राजनीति में कांग्रेस बहुत पहले अपनी मुख्य भूमिका खो चुकी है। वहां सीधा मुकाबला द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच रहता है। चूंकि कांग्रेस वहां द्रमुक के लिए कोई संगठनात्मक खतरा नहीं है, इसलिए स्टालिन को कांग्रेस को सीटें देने या उनके साथ मंच साझा करने में कोई हिचक नहीं होती। वहां के विधायकों में वैचारिक रूप से दलबदल कराना बेहद कठिन है। स्टालिन के लिए कांग्रेस के साथ जाना दलबदल से बचने की मजबूरी नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी मोर्चे को मजबूत करने की एक सोची-समझी रणनीति है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार भारतीय राजनीति में 'दलबदल' और 'पलटीमार' राजनीति के सबसे बड़े प्रतीक माने जाते हैं। नीतीश की सबसे बड़ी दुविधा यह है कि बिहार में कांग्रेस का पारंपरिक सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल है। जब भी नीतीश कांग्रेस या 'इंडिया' गठबंधन के करीब जाते हैं तो बिहार में तेजस्वी यादव का कद बढ़ने लगता है जो नीतीश की पार्टी के राजनीतिक वजूद के लिए सीधा खतरा है। नीतीश ने खुद को बचाने के लिए कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा का सहारा लिया। वर्तमान परिपेक्ष्य में, नीतीश को यह भली-भांति पता है कि कांग्रेस के साथ जाने से उनके विधायकों को दलबदल से सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं मिलती क्योंकि कांग्रेस खुद कई राज्यों में अपने विधायक बचाने में नाकाम रही है। इसलिए वे दलबदल से बचने के लिए वैचारिक स्थिरता के बजाय सत्ता के संतुलन यानी कभी इधर, कभी उधर का फॉर्मूला अपनाते हैं। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की राजनीति का उदय ही कांग्रेस के विरोध और भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की कोख से हुआ था। दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को पूरी तरह मटियामेट करके अपनी सत्ता बनाई। अगर केजरीवाल राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के साथ बहुत गहरे जुड़ते हैं तो राज्यों में उनके कार्यकर्ताओं के सामने वैचारिक संकट खड़ा हो जाएगा कि जिस कांग्रेस को हराकर वे सत्ता में आए, उसी के साथ गठबंधन कैसे करें? कांग्रेस खुद दिल्ली और पंजाब में 'आप' की जमीन वापस छीनने की ताक में रहती है। इसलिए केजरीवाल मजबूरी में लोकसभा चुनाव जैसे बड़े मंचों पर तो कांग्रेस के साथ दिखते हैं, लेकिन राज्यों के स्तर पर अपनी दूरी बनाए रखते हैं। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी कांग्रेस से हिचक का सबसे मुखर चेहरा हैं। उनका मानना है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा को हराने की ताकत सिर्फ टीएमसी के पास है। वहां कांग्रेस और लेफ्ट मिलकर टीएमसी के खिलाफ लड़ते हैं। ममता किसी भी कीमत पर बंगाल की राजनीति में कांग्रेस को 'स्पेस' देकर दोबारा जीवित नहीं करना चाहतीं। ममता बनर्जी ने बंगाल में दलबदल विरोधी कानून और अपने कड़े प्रशासनिक नियंत्रण के दम पर पार्टी को लंबे समय तक संभाले रखा।

भारतीय राजनीति के वर्तमान दौर में कांग्रेस खुद दलबदल और सांगठनिक कमजोरी की शिकार रही है। ऐसे में कोई भी क्षेत्रीय दल अपनी आंतरिक बगावत या बाहरी दबाव जैसे केंद्रीय जांच एजेंसियों के डर से बचने के लिए कांग्रेस को सुरक्षा कवच नहीं मान सकता।

टीएमसी में टूट और बिखराव के बावजूद ममता बनर्जी को डर है कि कांग्रेस के साथ आने से राज्य में अल्पसंख्यक वोटों का बंटवारा हो सकता है जिससे बीजेपी को सीधा फायदा होगा। क्षेत्रीय दलों की कांग्रेस से हिचक के तीन मुख्य कारण हैं। अधिकांश क्षेत्रीय दलों का जन्म कांग्रेस के कमजोर होने के बाद हुआ है जैसे टीएमसी और आप। अगर ये दल कांग्रेस को अपने राज्य में दोबारा पैर पसारने का मौका देंगे तो इनका खुद का जनाधार खतरे में पड़ जाएगा। दूसरा, क्षेत्रीय दलों को लगता है कि कांग्रेस सीधे मुकाबले वाले राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में बीजेपी को उस मजबूती से नहीं हरा पाती जितने प्रभावी ढंग से क्षेत्रीय दल अपने राज्यों में भाजपा को रोक लेते हैं। तीसरा, क्षेत्रीय क्षत्रप अपने राज्यों के 'किंग' हैं। वे कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के तहत 'जूनियर पार्टनर' बनकर काम करने में असहज महसूस करते हैं। भारतीय राजनीति के वर्तमान दौर में कांग्रेस खुद दलबदल और सांगठनिक कमजोरी की शिकार रही है। ऐसे में कोई भी क्षेत्रीय दल अपनी आंतरिक बगावत या बाहरी दबाव जैसे केंद्रीय जांच एजेंसियों के डर से बचने के लिए कांग्रेस को सुरक्षा कवच नहीं मान सकता। क्षेत्रीय दलों के पास दलबदल से बचने का एकमात्र तरीका अपनी सांगठनिक एकजुटता, मजबूत स्थानीय कैडर और जनता के बीच अपनी पैठ बनाए रखना ही है।

अब जरूरत के मुताबिक बदल रही विचारधारा

सियासत

डॉ. विजेंद्र कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

लोकतंत्र की मूल आत्मा उस विश्वास में बसती है, जो एक मतदाता अपने प्रतिनिधि को चुनते समय मतपेटी में डालता है। यह केवल एक वोट नहीं होता, बल्कि एक वैचारिक सहमति, भविष्य की उम्मीद और एक सामाजिक अनुबंध होता है, लेकिन समकालीन राजनीति के पटल पर जब हम दृष्टि डालते हैं, तो यह पवित्र अनुबंध एक बाजारू सौदे में तब्दील होता नजर आता है। आज के राजनीतिक परिदृश्य में 'दलबदल' एक ऐसा संक्रामक रोग बन चुका है, जिसने लोकतांत्रिक नैतिकता को हाशिए पर धकेल दिया है।

विचारधारा, जो कभी राजनीति का दिशा-सूचक यंत्र हुआ करती थी, अब एक ऐसा आवरण बन गई है जिसे सत्ता की सुविधानुसार कभी भी ओढ़ा और उतारा जा सकता है। जब दलबदल की इस प्रवृत्ति के साथ 'लालच' का घातक कॉकटेल मिल जाता है, तो जनमत का सीधा-सीधा अपहरण होता है। ऐसे में यह सवाल पूरी शिद्दत के साथ उठता है कि आखिर नैतिकता के बिना राजनीति का स्वरूप क्या रह जाता है और लोक-कल्याण का दावा करने वाले दल अपने ही बुने हुए पाखंड के जाल में कब तक सुरक्षित रह सकते हैं? दलबदल की इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में यदि कोई एक तत्व निर्विवाद रूप से स्थापित है तो वह है लालच। यह लालच केवल धन का नहीं है; यह सत्ता के गलियारों में बने रहने का लालच है, मंत्री पद की लालसा है और कई बार अपनी पुरानी गलतियों या भ्रष्टाचार के मामलों पर पर्दा डालने के लिए 'सुरक्षित पनाहगाह' खोजने की विवशता भरा स्वार्थ है। जब कोई जन-प्रतिनिधि अपने दल को छोड़कर किसी अन्य दल का दामन थामता है, तो उसके पीछे कोई वैचारिक हृदय परिवर्तन या जनता की सेवा करने का कोई नया महान उद्देश्य कतई नहीं होता। इसके पीछे सिर्फ और सिर्फ व्यक्तिगत लाभ का गणित काम कर रहा होता है।

इसे हम राजनीतिक भ्रष्टाचार का सबसे परिष्कृत और 'कानूनी' रूप कह सकते हैं, जहां प्रतिनिधि स्वयं को एक उत्पाद के रूप में सत्ता के बाजार में नीलाम कर देता है। इस समूचे घटनाक्रम में सबसे अधिक हास्यास्पद और विडंबनापूर्ण स्थिति राजनीतिक दलों के उस दोहरे मापदंड की है, जिसे हम 'मेरा दलबदल ठीक और तुम्हारा दलबदल गलत' के रूप में देखते हैं। जब किसी पार्टी के विधायक या सांसद टूटकर किसी अन्य दल में जाते हैं, तो वह पार्टी इसे 'लोकतंत्र की हत्या', 'जनादेश का अपमान' और 'धनबल का नंगा नाच' करार देती है।

उनके नेता टीवी चैनलों पर बैठकर नैतिकता की लंबी-लंबी दुहाई देते हैं और इसे एक अक्षम्य राजनीतिक अपराध बताते हैं। लेकिन जब वही पार्टी किसी दूसरे दल के असंतुष्ट विधायकों को अपने पाले में खींचती है, तो उनकी शब्दावली रातों-रात बदल जाती है। मानों उस राजनीतिक दल का कार्यालय कोई पवित्र स्नानघर हो, जहां प्रवेश करते ही सारे राजनीतिक और नैतिक पाप धुल जाते हों और व्यक्ति एक नए बेदाग अवतार में जन्म ले लेता हो।

'आया राम, गया राम' की संस्कृति से शुरू हुआ यह सफर आज थोक में दलबदल करने के आधुनिक 'रिसॉर्ट पॉलिटिक्स' तक पहुंच चुका है। दल-बदल विरोधी कानून (एंटी-डिफेक्शन लॉ) जो इसी बुराई को रोकने के लिए लाया गया था, आज के चतुर राजनेताओं ने उसकी भी कानूनी काट ढूँढ ली है। अब ज्वलंत प्रश्न यह है कि यह दोहरी धारणा और अवसरवाद का यह नंगा खेल आखिर कब तक चलेगा?

इस प्रश्न का उत्तर सीधे तौर पर जन-चेतना और नागरिक उत्तरदायित्व में छिपा है। जब तक दलबदल करने वाले नेताओं को उनके पाले बदलने के बाद होने वाले उप-चुनावों में जनता द्वारा फिर से चुनकर सदन में भेजा जाता रहेगा, तब तक उनका दुस्साहस और सत्ता का यह लालच फलता-फूलता रहेगा। जब 'मेरा दलबदल ठीक और तुम्हारा गलत' की इस खोखली और पाखंडी दलील को आम जनता पूरी तरह से खारिज कर देगी और दलबदलू नेताओं को मतदान के माध्यम से यह कड़ा अहसास करा देगी कि वैचारिक निष्ठा से किया गया कोई भी समझौता उनके राजनीतिक अस्तित्व को समाप्त कर सकता है, केवल तभी इस अनैतिक खेल पर स्थायी विराम लगेगा।

बदलाव की वास्तविक शुरुआत इसी चेतना से होगी कि गलत हमेशा गलत होता है, चाहे वह सत्ता पक्ष द्वारा किया गया हो या विपक्ष द्वारा, 'मेरे' द्वारा किया गया हो या 'तुम्हारे' द्वारा।

जब कोई जन-प्रतिनिधि अपने दल को छोड़कर किसी अन्य दल का दामन थामता है, तो उसके पीछे कोई वैचारिक हृदय परिवर्तन या जनता की सेवा करने का कोई नया महान उद्देश्य कतई नहीं होता। इसके पीछे सिर्फ और सिर्फ व्यक्तिगत लाभ का गणित काम कर रहा होता है।

विपक्ष की निष्क्रियता से एनडीए मुखर

मंथन

चरणजीत चरण

स्वतंत्र पत्रकार

बारह वर्षों के शासन के बावजूद आज एनडीए भारतीय राजनीति में जिस तरह से मुखर और आक्रामक रहता है वह दुनिया के तमाम राजनीतिक पंडितों के लिए शोध का विषय है। किसी भी राजनीतिक दल के लिए एक चुनाव के बाद पांच साल बाद दूसरे चुनाव में जाना बहुत ही चूनौतीपूर्ण कार्य होता है। पूरे न किए गए वादों का दबाव इतना अधिक होता है कि अधिकतर राजनीतिक दल इस दलदल में धंस जाते हैं। बावजूद इसके तमाम विरोधों के होते हुए एनडीए के नेताओं के चेहरे पर कोई शिकन नज़र नहीं आती है। वे हर नए चुनाव में पहले से अधिक ऊर्जा के साथ जाते है और चुनाव जीतते हैं।

इस सारे विचार का मंथन अगर खुले मन से किया जाए तो बहुत से ऐसे बिंदु हैं जो एनडीए को साल दर साल मजबूत बनाते हैं। विपक्ष के पास किसी निश्चित विचारधारा का न होना विपक्षी दलों की सबसे बड़ी कमजोरी है। जाति, धर्म, राष्ट्र, विदेश नीति, युद्ध नीति, पड़ोसी देशों से सम्बन्ध आदि मुद्दों पर विपक्ष हमेशा बंटा हुआ रहता है। इसी का फायदा एनडीए उठाता है, जैसे हिन्दू धर्म के मुद्दे पर विपक्ष का रुख हमेशा खामोश हो जाने का रहता है। जबकि एनडीए के सभी दल अपने सभी विवादों को भूलकर एक लाइन पर रहते हैं। राम मंदिर जैसे बहुसंख्यक समाज के मुद्दे पर एनडीए के सभी दल खुलकर हिंदू मत के साथ रहते हैं। विपक्ष के लोगों की मत भिन्नता पूरे देश ने महसूस की है। एक समय तक एनडीए के प्रमुख घटक के रूप में रही शिव सेना जहां राम मंदिर के समर्थन में रही, वहीं बाकी दल इसके विरोध में खड़े नजर आए। राहुल गांधी द्वारा सावरकर को माफ़ीवीर कहने पर सावरकर की प्रचंड समर्थक शिव सेना कभी खुलकर इसका विरोध नहीं करती। परिणाम स्वरूप आज शिव सेना पूर्णतया खत्म होने के कगार पर है। सनातन को डेंगू मलेरिया कहने वाले डीएमके के नेता जब बाकी विपक्षी दलों के साथ मंच साझा करते हैं तो एनडीए को ये कहने का मौका मिलता है कि ये सब हिन्दू धर्म विरोधी हैं और पूरा एनडीए इस विचार को देश की जनता के बीच ले जाने में सफल रहता है, जिसका परिणाम चुनाव में देखने को मिलता है। अपने बारह वर्षों के शासनकाल में मोदी कभी थके हुए, हारे हुए या अपनी नीतियों को लेकर अस्पष्ट नज़र नहीं आए। बात चाहे देश की हो या विदेश की, उन्होंने हर जगह अपनी बात पूरी दृढ़ता के साथ रखी, जबकि विपक्ष के सभी नेता बार-बार अपने बयानों से पीछे हटते या बयानों को बदलते नज़र आते हैं। उनके एजेंडे में किसी एक मूल विचार धारा का न होना भी विपक्ष के भटकाव का मुख्य कारण है। वहीं, एनडीए अपने राष्ट्रवाद और हिंदू धर्म के मुद्दे पर हमेशा अडिग रहा है। राष्ट्रवाद और हिंदू एकता, सीमाओं की सुरक्षा, घुसपैठ को पूर्णतया रोकना एनडीए के प्रमुख मुद्दे हैं। बाकी मुद्दे राज्य की जरूरतों के अनुसार बदलते रहते हैं। इसे मोदी का सौभाग्य कहिए या विपक्ष का दुर्भाग्य कि पूरे विपक्ष के पास ऐसा एक भी ऐसा सशक्त नेता नहीं है जिसका नेतृत्व करिश्माई कहा जा सके। जैसे दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने दस वर्षों तक राज्य की सत्ता बचाकर रखी, लेकिन वह केंद्र में एनडीए का मुकाबला नहीं कर पाए और आखिर उन्हें भी दिल्ली की सत्ता गंवानी पड़ी। उड़ीसा, जहां बीस वर्षों से सत्ता पर काबिज़ नवीन पटनायक को एनडीए के हाथों शिकस्त खानी पड़ी। एक और ताज़ा उदाहरण अजेय माने जाने वाले बंगाल का है, जहां सबसे आक्रामक राजनीति करने वाली ममता बनर्जी को बहुत बुरी हार का सामना करना पड़ा। हालांकि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा जो 2022 में की थी और न्याय यात्रा जो 2024 में की, इन दोनों यात्राओं के माध्यम से उन्होंने देश को एकजुट करने का दावा किया, लेकिन उनके सहयोगी दलों का साथ उनको नहीं मिला। इसका परिणाम ये हुआ इन दोनों यात्राओं के जितने सार्थक परिणाम विपक्ष को मिल सकते थे, नहीं मिले। निष्कर्ष के रूप में हम कह सकते हैं कि देश के संवेदनशील मुद्दों पर विपक्ष का एक मत एक विचार न होना, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अलग-अलग सुरों में बोलना, देश की विदेश नीति और राष्ट्रीय हितों के मुद्दों की विदेश में आलोचना करना। जनता के बीच जनहित के मुद्दों को उठाने के बजाय वोट चोरी या चुनाव चोरी जैसे अनर्गल प्रचार से अपनी नाकामी को ढकने की कोशिश करना, ये वो सारे कारण हैं जिन्हें भारतीय मतदाता अब सुनना नहीं चाहता। कुल मिलाकर एनडीए की आक्रामकता का एक विशेष कारण विपक्ष की निष्क्रियता है।

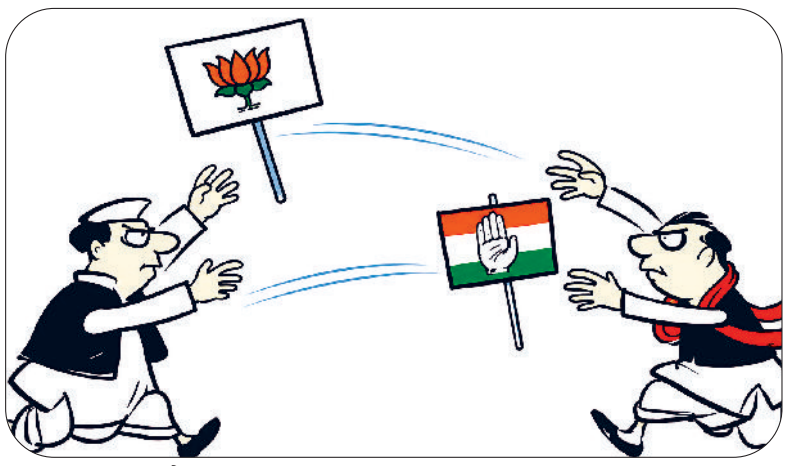

इसे मोदी का सौभाग्य कहिए या विपक्ष का दुर्भाग्य कि पूरे विपक्ष के पास ऐसा एक भी सशक्त नेता नहीं है, जिसका नेतृत्व करिश्माई कहा जा सके। जैसे दिल्ली में केजरीवाल ने दस वर्षों तक राज्य की सत्ता बचाकर रखी, लेकिन वह केंद्र में एनडीए का मुकाबला नहीं कर पाए और आखिर उन्हें भी दिल्ली की सत्ता गंवानी पड़ी।

अमेरिका ने किया राउंड ऑफ 32 के लिए क्वालिफाई

अमेरिका ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराया

एजेंसी ▶▶| सिएटल

अपने स्टार स्ट्राइकर क्रिश्चियन पुलिसिच के बिना खेल रही अमेरिका की टीम ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट दौर में प्रवेश कर लिया। यह पहला अवसर है जबकि अमेरिकी टीम ने पहले दो मैचों के बाद ही नॉकआउट राउंड में जगह बना ली। पिछली बार जब अमेरिका ने 1994 में विश्व कप की मेजबानी की थी, तब वह तीसरे स्थान की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक होने के कारण क्वालीफाई कर गया था। तब वह अंतिम 16 में ब्राजील से हार गया था। एसी मिलान के लिए खेलने वाले और 87 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 33 गोल कर चुके पुलिसिच पिंडली की चोट के कारण मैच में नहीं खेल पाए।

96 साल बाद जीते दो शुरुआती मैच

अमेरिका के लिए इस जीत का महत्व सिर्फ क्वालिफिकेशन तक ही सीमित नहीं था। 1930 में हुए पहले वर्ल्ड कप के बाद यह पहली बार था जब अमेरिकी टीम ने पुरुषों के वर्ल्ड कप में अपने शुरुआती दो मैच जीते। उस समय अमेरिकियों ने बेल्जियम को 3-0 और पैराग्वे को 3-0 से हराया था और आखरि में तीसरे स्थान पर रहे थे, जो उनका अब तक का सबसे अच्छा वर्ल्ड कप नतीजा है।

आत्मघाती गोल के जरिए बढ़त

अमेरिका ने आत्मघाती गोल के जरिए बढ़त बनाई। बालोगुन ने 11वें मिनट में स्ट्राइकर रिकार्डो पेपी की ओर एक सटीक पास दिया। गेंद पेपी तक नहीं पहुंची और ऑस्ट्रेलिया के डिफेंडर कैमरुन बर्गेस से टकराकर गोल में चली गई, जिससे आत्मघाती गोल हो गया। टीम के सबसे युवा खिलाड़ी 21 वर्षीय एलेक्स फ्रीमैन ने 43वें मिनट में अमेरिका को 2-0 से आगे कर दिया।

ब्राजील से हराकर हैती बाहर होने वाली पहली टीम

फिलाडेल्फिया। विनीसियस जूनियर ने एक गोल किया और मैथियस कुन्हा के दोनों गोल में मदद की, जिससे पांच बार के चैंपियन ब्राजील ने हैती को 3-0 से पराजित करके उसे विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। हैती 1974 के बाद पहली बार विश्व कप में खेल रहा है।

वह मौजूदा विश्व कप में नॉकआउट राउंड की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है। दूसरी तरफ ब्राजील ने अपनी लय हासिल करके अगले दौर में पहुंचने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से खेलने वाले स्टार खिलाड़ी कुन्हा को शुरुआती लाइनअप में जगह मिली। लिंकन फाइनेंशियल फील्ड में मौजूद 68,324 दर्शकों में से अधिकतर ब्राज़ील के प्रशंसक थे, जिन्हें कुन्हा ने 23वें मिनट में अपने करियर का पहला विश्व कप गोल करके रोमांचित कर दिया। इसके बाद उन्होंने 36वें मिनट में बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर ब्राजील को हैती की कमजोर टीम पर 2-0 की बढ़त दिला दी। विनीसियस ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में तीसरा गोल किया। ब्राजील के फॉरवर्ड राफिन्हा के शुरुआती गोल को ऑफसाइड के कारण अमान्य कर दिया गया था।

मैथियस कुन्हा ने दागे दो गोल

टूर्नामेंट का सबसे तेज गोल

माटियास ने 65 सेकंड में बॉल को नेट में पहुंचाया, पराग्वे ने तुर्किए को हराया

एजेंसी ▶▶| सांता क्लारा

माटियास गलार्जा ने खेल शुरू होने के 65 सेकंड के अंदर गेंद को नेट में पहुंचाकर मौजूदा विश्व कप का सबसे तेज गोल किया, जिससे पराग्वे ने अधिकतर समय 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद तुर्किए को 1-0 से हराया। पराग्वे की इस जीत से यह सुनिश्चित हो गया कि अमेरिका ग्रुप डी में शीर्षक पर रहेगा। इससे तुर्किए की नॉकआउट में पहुंचने की उम्मीदें भी लगभग समाप्त हो गई। पराग्वे अगले गुरुवार को ग्रुप चरण के आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा, जिसमें ग्रुप में दूसरे स्थान का फैसला होगा। पराग्वे को दूसरा स्थान हासिल करने के लिए यह मैच जीतना जरूरी है। इस मैच में पराग्वे की जीत में गुस्तावो अल्फारो के किए लाइनअप में बदलाव का भी अहम योगदान रहा। माटियास को पहले मैच में नहीं खिलाया गया था, लेकिन तुर्किए के खिलाफ उन्हें शुरुआती लाइनअप में शामिल किया गया। उन्होंने मैच के शुरू होने के महज 65 सेकेंड के भीतर ही लगभग 25 गज की दूरी से बाएं पैर से शानदार शॉट लगाकर गोल दागकर कोच के फैसले को सही साबित किया।

सैबारी ने दूसरे मिनट में किया गोल मोरक्को ने स्कॉटलैंड को हराया

एजेंसी ▶▶| फॉक्सबोरो

इस्माइल सैबारी ने गोल करने की अपनी काबिलियत का एक बार फिर से शानदार नमूना पेश करते हुए दूसरे मिनट में ही स्कोरशीट पर अपना नाम लिखवाया, जिससे मोरक्को ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप सी के मैच में स्कॉटलैंड को 1-0 से हराया। सैबारी को ब्राजील के खिलाफ विश्व कप में अपने पदार्पण मैच में गोल करने में केवल 21 मिनट लगे थे। लेकिन स्कॉटलैंड के खिलाफ जिलेट स्टेडियम में उन्होंने केवल 72 सेकंड में ही गोल कर दिया, जो निर्णायक साबित हुआ। इससे मोरक्को के लगातार दूसरी बार विश्व कप के नॉकआउट दौर में पहुंचने की उम्मीदें जीवंत रहीं। मोरक्को ने मैच की शुरुआत में ही अपनी शानदार पासिंग से स्कॉटलैंड को हैरान कर दिया। सैबारी स्कॉटलैंड के दो डिफेंडरों को पीछे छोड़ते हुए आगे बढ़े और ब्राहिम डियाज़ ने उन्हें गेंद पास की।

नीदरलैंड ने स्वीडन को एकतरफा मुकाबले में 5-1 से हराया

ह्यूस्टन। ग्रुप-एफ के मुकाबले में नीदरलैंड ने दमदार प्रदर्शन करते हुए स्वीडन को 5-1 से करारी शिकस्त दी। ह्यूस्टन स्टेडियम में खेले गए टूर्नामेंट के 35वें मुकाबले में नीदरलैंड ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाई और स्वीडन को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। ब्रायन ब्रॉबी और कॉडी गैक्पो ने दो-दो गोल दागे, जबकि क्राइसेंसियो समरविले ने एक गोल कर जीत को और शानदार बना दिया। नीदरलैंड ने मैच के शुरुआती मिनटों से ही आक्रामक तेवर दिखाए। इसका फायदा टीम को पांचवें मिनट में मिला, जब ब्रायन ब्रॉबी ने बेहतरीन फिनिश के साथ गोल दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। शुरुआती गोल के बाद स्वीडन दबाव में आ गया और नीदरलैंड लगातार हमले करता रहा। नीदरलैंड के हमले यहीं नहीं रुके। 17वें मिनट में ब्रॉबी ने एक बार फिर कमाल दिखाया और अपना दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। दो गोल से पिछड़ने के बाद स्वीडन ने कुछ हमले जरूर किए, लेकिन नीदरलैंड की मजबूत रक्षापंक्ति के सामने उसे सफलता नहीं मिली। पहले हाफ की समाप्ति तक नीदरलैंड 2-0 से आगे था। दूसरे हाफ की शुरुआत भी नीदरलैंड के नाम रही। 47वें मिनट में कॉडी गैक्पो ने गोल कर टीम की बढ़त 3-0 कर दी। इसके बाद 54वें मिनट में गैक्पो ने अपना दूसरा गोल दागते हुए स्कोर 4-0 कर दिया।

खबर संक्षेप

एशियाई चैंपियनशिपः जूनियर टीम ने जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली। भारत की जूनियर पुरुष कलात्मक जिम्नास्टिक टीम ने चीन के जुनी में खेली जा रही एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। हर्षित दामोदरन, निषाद नरवाने, एसके नबीघ अली, अक्षत बजाज और मोहम्मद जैद अंसारी की युवा भारतीय टीम ने महाद्वीप की कुछ मजबूत टीमों के सामने शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय टीम ने 224.493 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया और पहली बार अपने नाम पर पदक दर्ज कराया।

डच लेडीज ओपन : संयुक्त पांचवें स्थान पर अवनि-दीक्षा

एमनेस। भारतीय महिला गोल्फरों ने लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) पर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा जब अवनि प्रशांत और दीक्षा डागर डच लेडीज ओपन के पहले दिन अच्छी शुरुआत करते हुए संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहीं। अवनि और दीक्षा ने गॉयर गोल्फ एंड कंट्री क्लब में तीन अंडर 69 का स्कोर बनाया। अवनि और दीक्षा संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रही चार खिलाड़ियों से एक शॉट पीछे हैं।

टीम इंडिया को झटका, इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर पंड्या

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। पंड्या को बॉलिंग का वर्कलोड पूरा न कर पाने के कारण सीरीज से बाहर करने का फैसला लिया गया।

वह 10 ओवर का अपना पूरा कोटा नहीं डाल सके। भारतीय टीम को अगले महीने इंग्लैंड का दौरा करना है, जहां टी20 और वनडे सीरीज खेली जानी है। इससे पहले भारतीय वनडे टीम को पंड्या के रूप में बड़ा झटका लगा है।

1 जुलाई से भारत का इंग्लैंड दौरा

भारत का इंग्लैंड दौरा 1 जुलाई से शुरू होगा। 1 से 11 जुलाई के बीच 5पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच 14 से 19 जुलाई के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी।

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज नहीं खेल पाए पंड्या

पंड्या इससे पहले क्वाड्रिसेप्स में खिंचाव के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से भी बाहर हो गए थे। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पंड्या ने सीरीज से पहले एक सप्ताह जबरदस्त ट्रेनगि की थी और पूरा कोटा गेंदबाजी भी की थी, मगर फिर बेंगलुरु से रवाना होने से कुछ घंटे पहले उन्हें अपने क्वाड्रिसेप्स में तकलीफ महसूस हुई थी, जिस वजह से वह अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए थे और अब स्पोर्ट्स तक को जानकारी मिली है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से भी बाहर हो गए हैं।

लगातार दो जीत, अब द.अफ्रीका से भिड़ंत

महिला टी20 विश्वकप : आज शाम 7 बजे से हरमनप्रीत और वोल्वार्ट की टीमों में मुकाबला

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

भारतीय महिला टीम टी20 विश्व कप में शानदार शुरुआत के बाद अब रविवार को यहां ग्रुप वन के कठिन मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका जैसी खतरनाक टीम के सामने उस लय को कायम रखने की कोशिश करेगी।

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने पाकिस्तान पर 64 रन से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की । सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष ने बल्ले से योगदान दिया जबकि दीप्ति शर्मा ने पांच विकेट चटकाए। नीदरलैंड को दूसरे मैच में भारत ने 95 रन से हराया।

अब तक टी20 विश्व कप नहीं जीत सकी टीम इंडिया

पांच बार सेमीफाइनल में पहुंच चुकी भारतीय टीम अभी तक टी20 विश्व कप नहीं जीत सकी है। अब उसे अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और बेहतरीन गेंदबाजी के लिए विख्यात दक्षिण अफ्रीका की चुनौती से पार पाना है। यह मुकाबला दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी और भारत की बल्लेबाजी के बीच हो सकता है। पावरप्ले में तेजी से रन बनाने की मंधाना की काबिलियत और हरमनप्रीत के अनुभव के साथ शेफाली वर्मा और रिचा की आक्रामक बल्लेबाजी अहम होगी।

द.अफ्रीका के पास दबाव से निपटने का अनुभव

वहीं दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदें कप्तान लौरा वोल्वार्ट और मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर टिकी होंगी। दक्षिण अफ्रीका ने आस्ट्रेलिया से मिली पराजय के बाद पाकिस्तान को दो विकेट से हराकर वापसी की। दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट की सबसे प्रतिस्पर्धी टीमों में से है। पिछली बार टी20 विश्व कप फाइनल खेल चुकी इस टीम के पास दबाव से निपटने का काफी अनुभव है।

भारत ने दी चिली को 6-0 से शिकस्त, फाइनल में एंट्री

हॉकी महिला नेशंस कप कप्तान सलीमा चुनी गई 'प्लेयर आफ द मैच'

एजेंसी ▶▶| आकलैंड

भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए चिली को 6-0 से हराकर एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत के लिए नवनीत कौर (छठा और 13वां मिनट) और दीपिका (14वां और 18वां) ने दो-दो गोल किए जबकि नेहा (32वां) और रुतुजा पिसाल (39वां) ने एक-एक गोल दागा। टूर्नामेंट में भारत की यह लगातार चौथी जीत है। 'प्लेयर आफ द मैच' चुनी गई कप्तान सलीमा टेटे ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। भारत का सामना फाइनल में अमेरिका और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

टीम इंडिया ने बनाया रखा गेंद पर नियंत्रण

भारत ने शुरू ही से गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और पहले पेनल्टी कॉर्नर पर नवनीत के गोल की मदद से बढत बना ली। भारत की बढत जल्दी ही दुगुनी हो गई जब बाएं फ्लैंक से सलीमा ने दौड़कर नवनीत को गेंद सौंपी, जिसने गोल कर दिया। ड्रैग फ्लिकर दीपिका ने 18वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर तब्दील करके भारत की बढत 3-0 की कर दी। दीपिका के नाम अब टूर्नामेंट में सर्वाधिक छह गोल हो गए हैं।

सेमीफाइनल में हारीं अश्मिता

मकाऊ। अश्मिता चालिहा की महिला एकल के सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया की पार्क गा यून से सीधे गेम में हार के साथ भारत का मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अभियान समाप्त हो गया। विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर काबिज भारतीय खिलाड़ी 38 मिनट तक चले मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 61वें नंबर की खिलाड़ी पार्क से 17-21, 9-21 से हार गई। जब अश्मिता ने 15-11 की बढ़त बनाई तो ऐसा लग रहा था कि वह पहला गेम जीत जाएंगी, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने लगातार छह अंक जीतकर जोरदार वापसी की और 16-15 से आगे हो गईं। भारतीय खिलाड़ी ने भी हार नहीं मानी और स्कोर 17-17 से बराबर कर दिया, लेकिन पार्क ने एक बार फिर अपने खेल का स्तर बढ़ाया और अगले चार अंक हासिल करके पहला गेम 21-17 से अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में भी दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी का दबदबा बना रहा क्योंकि अश्मिता अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करती रहीं।

प्रसिद्ध के 5 विकेट, जायसवाल का शतक

भारत ने अफगानिस्तान को हराकर क्लीन स्वीप किया

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

प्रसिद्ध कृष्णा (23 रन पर पांच विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के बाद सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के दूसरे शतक से भारत ने तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी के करियर के पहले शतक के बावजूद अफगानिस्तान को नौ विकेट से हराकर श्रृंखला में 3-0 से सूपड़ा साफ किया। अफगानिस्तान के 219 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने अफगानिस्तान के बेहद खराब क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए जायसवाल (नाबाद 110 रन, 86 गेंद, 14 चौके, तीन छक्के) और रोहित शर्मा (79 रन, 69 गेंद, नौ चौके, तीन छक्के) के बीच पहले विकेट की 170 रन की साझेदारी से सिर्फ 28.4 ओवर में एक विकेट पर 224 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। अफगानिस्तान ने इससे पहले प्रसिद्ध की तूफानी गेंदबाजी के सामने 10वें ओवर में 36 रन तक चार विकेट गंवा दिए थे। शाहिदी ने हालांकि अंतिम बल्लेबाज के तौर पर आउट होने से पहले 131 गेंद में 13 चौकों और एक छक्के से 102 रन की पारी खेलने के अलावा अजमतुल्लाह उमरजई (50) के साथ पांचवें विकेट के लिए 117 गेंद में 105 रन की साझेदारी करके टीम को 218 रन के सम्माजनक स्कोर तक पहुंचाया। शाहिदी ने मोहम्मद नबी (21) के साथ भी छठे विकेट के लिए 53 गेंद में 57 रन की साझेदारी की। मेहमान टीम हालांकि अंत में 44.2 ओवर में सिमट गई। भारत को जायसवाल और रोहित की जोड़ी ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों को अफगानिस्तान के खराब क्षेत्ररक्षण का फायदा भी मिला।

विश्व बॉक्सिंग कप 2026ः पुरुषों में दीपक फाइनल में जुगनू-निखिल को कांस्य मिला

रोहतक की बेटी मीनाक्षी और ज्योति समेत 4 भारतीय मुक्केबाज फाइनल में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

चीन के गुइयांग में आयोजित हो रहे विश्व मुक्केबाजी कप 2026 में भारतीय मुक्केबाजों ने अपने पंच का दम दिखाते हुए दुनिया भर में देश का मान बढ़ाया है। भारत की स्टार मुक्केबाज और रोहतक (रूड़की) की बेटी मीनाक्षी हुड्डा सहित देश के चार मुक्केबाजों ने अपने-अपने वर्ग के फाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही सेमीफाइनल में थमे सफर के बाद भारत की झोली में दो कांस्य पदक भी आ चुके हैं।

ज्योति गुलिया और प्राची ने भी फाइनल में गाड़े झंडे

मीनाक्षी के बाद 48 किलोग्राम वर्ग का जिम्मा संभाल रहीं पूर्व यूथ वर्ल्ड चैंपियन और यूथ ओलंपिक खेल चुकीं ज्योति गुलिया ने भी रिंग में अपना जज्बा दिखाया। उन्होंने स्टेज-1 विश्व कप की रजत पदक विजेता मैक्सिको की फातिमा हेरेरा को एक रोमांचक और बेहद करीबी मुकाबले में 3-2 से शिकस्त देकर फाइनल का टिकट कटाया। फाइनल में ज्योति का सामना उज्बेकिस्तान की फरज़ोना फोजिलोवा से होगा। वहीं, महिलाओं के 57 किलोग्राम वर्ग में प्राची ने फ्रांस की अमीना जिदानी पर 4-1 से आत्मविश्वास से भरी जीत दर्ज की। प्राची ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में पेरिस 2024 ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता चीनी ताइपे की वू शिह-यी को मात दी थी। फाइनल में प्राची का मुकाबला उज्बेक बॉक्सर निगीना उक्तामोवा से होगा।

दीपक ने फ्रांस के मकान ट्राओरे को 5-0 से हराया

पुरुषों के 70 किलोग्राम वर्ग में भारत के दीपक ने शानदार खेल दिखाते हुए फ्रांस के मकान ट्राओरे को 5-0 से करारी शिकस्त दी। अब स्वर्ण पदक के लिए दीपक की भिड़ंत कजाकिस्तान के अबलाइखान झुसुपोव से होगी। दूसरी ओर, सेमीफाइनल मुकाबलों में हार के साथ भारत का सफर दो कांस्य पदकों पर भी थमा। 85 किलोग्राम वर्ग में जुगनू को फ्रांस के जूनियर तादाह से 5-0 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि 55 किलोग्राम वर्ग में निखिल को अमेरिका के लोरेंजो पेट्रीसियो ने 5-0 से हराया। दोनों ही मुक्केबाजों ने देश के लिए कांस्य पदक सुरक्षित किए।

नए भार वर्ग में भी मीनाक्षी का जलवा अब चीनी ओलिंपिक चैंपियन से टक्कर

महिला 48 किलोग्राम वर्ग की मौजूदा चैंपियन और विश्व की नंबर-1 मुक्केबाज मीनाक्षी हुड्डा ने इस सीजन में अपना भार वर्ग बदला है। वर्ष 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में 48 किलोग्राम वर्ग शामिल न होने के कारण मीनाक्षी इस बार 51 किलोग्राम वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। नए भार वर्ग में भी उनका दबदबा कायम है। मीनाक्षी ने सेमीफाइनल के कड़े मुकाबले में स्पेन की लौरा फ्यूर्टेस को एकतरफा अंदाज में सर्वसम्मति (5-0) से हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। इससे पहले क्वार्टर फाइनल में उन्होंने इस वर्ग की मौजूदा विश्व चैंपियन कजाकिस्तान की अलुआ बाल्किबेकोवा को नॉकआउट कर सनसनी मचा दी थी। फाइनल में अब उनका मुकाबला घरेलू दावेदार और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन वू यू से होगा।

खबर संक्षेप

गांदरबल में 'नारानाग' पर्यटन स्थल फिर से खुला

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को गांदरबल जिले में स्थित पर्यटन स्थल 'नारानाग' को फिर से खोलने का आदेश दिया। पिछले साल पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इसे बंद कर दिया गया था और यह लगभग 14 महीने तक बंद रहा। मध्य कश्मीर के इस जिले में स्थित इस लोकप्रिय पर्यटन स्थल पर भगवान शिव को समर्पित आठवीं सदी का नारानाग मंदिर भी है। उप राज्यपाल ने कहा कि सुरक्षा की पूरी समीक्षा के बाद नारानाग मंदिर को श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए खोलने का फैसला किया गया है।

भीषण आग से रिसॉर्ट तबाह, 1 की मौत

सैंटो डोमिंगो। डोमिनिकन गणराज्य में एक लक्जरी रिसॉर्ट में भीषण आग लग गई जिसके बाद करीब 1,700 पर्यटकों को वहां से सुरक्षित निकाला गया। आग की इस घटना में इटली के एक पर्यटक की मौत हो गई जबकि कई अन्य पर्यटकों को चिकित्सकीय सहायता दी गई। 'वीवा डोमिनिकस बीच बाय विन्धम रिज़ॉर्ट' डोमिनिकन गणराज्य के दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित बायाहिबे में है, जो अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के बीच एक लोकप्रिय जगह है। आग लगने के कारण की जांच की जा रही है। आसपास के रिसार्ट सुरक्षित हैं।

लंदन में दो ट्रेनों की टक्कर 1 की मौत, कई घायल

लंदन। उत्तरी लंदन में शुक्रवार दोपहर दो ट्रेन की टक्कर होने से कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। दोनों ट्रेन लंदन के सेंट पैनक्रास स्टेशन जा रही थीं और शाम करीब सवा पांच बजे (स्थानीय समयानुसार) बेडफोर्ड शहर के बाहर उनकी टक्कर हो गई। इसके बाद आपात सेवा दलों को तत्काल घटनास्थल पर भेजा गया। पुलिस के अनुसार कई लोग घायल हुए हैं और एक व्यक्ति की मौत हो गई है। पुलिस, अग्निशमन, एम्बुलेंस सेवाओं के कर्मी घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हैं।

एक्सियोस को दिए एक इंटरव्यू में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी की प्रशंसा की

कहा- वे महान इंसान और नेता, लंबे समय तक सत्ता में बने रहना उनकी बड़ी उपलब्धि

इंटरव्यू के दौरान ट्रंप ने कई बार पीएम मोदी की नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मोदी का लंबा राजनीतिक कार्यकाल, मजबूत नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी पहचान उन्हें अन्य नेताओं से अलग बनाती है

- **दुनिया के सबसे सम्मानित नेताओं में शामिल**
- **राजनीतिक स्थिरता का उदाहरण हैं पीएम मोदी**

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए उन्हें एक महान नेता और बेहद सख्त व्यक्तित्व वाला इंसान बताया है। एक्सियोस को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने पीएम मोदी को उन वैश्विक नेताओं में शामिल किया, जिनकी वह सबसे अधिक प्रशंसा करते हैं। इंटरव्यू के दौरान ट्रंप ने कई बार पीएम मोदी की नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मोदी का लंबा राजनीतिक कार्यकाल, मजबूत नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी पहचान उन्हें अन्य नेताओं से अलग बनाती है। ट्रंप ने कहा कि भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में लंबे समय तक सत्ता में बने रहना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। ट्रंप ने कूटनीति और वैश्विक नेतृत्व जैसे विषयों पर अपने विचार रखे।

फ्रांस में जी7 सम्मेलन के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप

जी7 समिट के संदर्भ में किया उल्लेख

हाल ही में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में शामिल नेताओं का जिक्र करते हुए ट्रंप ने पीएम मोदी की मौजूदगी को विशेष रूप से याद किया। उन्होंने सरकारों के प्रमुखों और वैश्विक नेताओं की बैठक का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के पीएम एक महान इंसान हैं।

मोदी बेहद मजबूत नेता

जब ट्रंप से पूछा गया कि वह एक महान नेता को कैसे परिभाषित करते हैं, तो उन्होंने पीएम मोदी को राजनीतिक स्थिरता का उदाहरण बताया। ट्रंप ने कहा कि मैंने जीवन भर भारत के बारे में यही देखा कि वहां नेतृत्व तेजी से बदलता रहा। कोई छह महीने तो कोई एक साल तक रहता था। फिर नरेंद्र मोदी पीएम बने। वे 12 साल से अधिक समय से पद पर हैं और बेहद मजबूत नेता हैं।

शांत लेकिन बहुत सख्त भी

ट्रंप ने कहा कि पीएम मोदी शांति के साथ राजनीतिक सख्ती को भी दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि वह ऐसा आचरण करते हैं जैसे सब कुछ बहुत शांत है, लेकिन वह शांत स्वाभाव के इंसान नहीं हैं। वह बहुत सख्त इंसान हैं। मैं उन्हें काफी अच्छी तरह जानता हूं।

भारत काफी बड़ा देश

जब ट्रंप से उन नेताओं के बारे में पूछा गया जिनकी नेतृत्व क्षमता और प्रभाव उन्हें सबसे अधिक प्रभावित करते हैं, तो उन्होंने पीएम मोदी का नाम प्रमुखता से लिया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पीएम मोदी बहुत अच्छे हैं। वे एक बेहतरीन नेता हैं। वहां 1.5 बिलियन (150 करोड़) लोग हैं। भारत वास्तव में सबसे बड़ा है।

युद्ध से दूर रहना, समझदारी भरा कदम

ट्रंप ने भारत की हालिया आर्थिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने आर्थिक दृष्टि से कुछ बहुत अच्छे आंकड़ों की घोषणा की है। वह युद्ध से दूर रहते हैं, जो एक समझदारी भरा कदम है।

क्यूबा में हो सकती है सैन्य कार्रवाई: ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा को लेकर बड़ा बयान दिया है। जब उनसे पूछा गया कि क्या क्यूबा में भी वेनेजुएला जैसी सैन्य कार्रवाई हो सकती है, तो ट्रंप ने जवाब दिया कि यह संभव है, ऐसा हो सकता है। ट्रंप ने क्यूबा और वेनेजुएला की तुलना करते हुए कहा कि दोनों मामलों में एक बड़ा अंतर है। वेनेजुएला के पास तेल है, जबकि क्यूबा के पास तेल नहीं है। लेकिन क्यूबा के पास अच्छी प्रॉपर्टी है और शानदार समुद्री तट हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि वेनेजुएला नजदीक है और क्यूबा तो बिल्कुल पड़ोस में है। ईरान बहुत दूर है। उनके इस बयान को कई विश्लेषक संभावित सैन्य कार्रवाई की ओर इशारा मान रहे हैं।

जेडी वेंस ने खोली मुनीर-शहबाज की पोल

ईरान-अमेरिका एमओयू जारी होने में देरी के लिए पाकिस्तान जिम्मेदार!

- ***पाकिस्तान और कतर में प्रेस की आजादी नहीं***

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका-ईरान शांति समझौता के मुख्य मध्यस्थ पाकिस्तान को अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने प्रेस की आजादी नहीं होने के लिए घेरा है। पाकिस्तानी आर्मी चीफ असीम मुनीर और पीएम शहबाज शरीफ लगातार इस समझौते के लिए अपनी पीठ ठोक रहे हैं। वहीं वेंस का कहना है कि पाकिस्तान और कतर (अन्य मध्यस्थ) में अमेरिका जैसी प्रेस फ्रीडम होती तो एमओयू (समझौता ज्ञापन) की पूरी जानकारी जल्दी ही दुनिया को मिल जाती। वेंस का कहना है कि पाकिस्तान की वजह से एमओयू जारी होने में देर हुई। वेंस ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने 15 जून को ईरान के साथ अंतरिम शांति समझौते की घोषणा की थी लेकिन इस एमओयू का पूरा आधिकारिक टेक्स्ट दो दिन बाद जारी किया गया। ईरान के साथ हुए एमओयू की जानकारी जारी करने में हुई देरी की एक वजह पाकिस्तान में प्रेस की आजादी के कमजोर मानक रहे हैं। पारदर्शिता को लेकर चिंताओं के कारण जारी करने में अमेरिका को समय लगा।

जेडी वेंस शहबाज शरीफ

बेताब मैं नहीं ईरान था, फूटा ट्रंप का गुस्सा

अमेरिका और ईरान के बीच डील भले ही हो गई हो लेकिन तनाव अभी भी खत्म नहीं हुआ है। ईरान के प्रमुख मोजतबा खामेनेई के बयान पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भड़कते हुए कहा कि अब ईरान का खात्मा हो गया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान को अमेरिका से 'फूटी कौड़ी' भी नहीं मिलेगी। उन्होंने एक बार फिर दावा किया कि ईरान की सैन्य क्षमताओं को तबाह कर दिया गया है। अब उसकी वायुसेना और नौसेना भी नहीं बची है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर तर्क दिया कि युद्ध ने ईरान की सैन्य ताकत को नाटकीय रूप से कम कर दिया है। वहीं, ईरान-अमेरिका शांति समझौते के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ स्विट्जरलैंड जा रहे हैं। हालांकि, बातचीत कब शुरू होगी, यह अभी साफ नहीं है। वार्ता का अगला दौर शुक्रवार से शुरू होना था, लेकिन लेबनान में इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच बढ़ी हिंसा के कारण इसे अचानक टाल दिया गया।

होर्मुज में ईरान की फिर नाकेबंदी

पहले होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए किसी विशेष अनुमति की जरूरत नहीं होती थी। जहाज अंतरराष्ट्रीय समुद्री नियमों के तहत इस रास्ते का इस्तेमाल करते थे। लेकिन अब ईरान ने पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (पीजीएसए) नाम की नई संस्था बनाकर पूरी प्रक्रिया बदल दी है। पीजीएसए ने स्पष्ट किया है कि जहाजों को होर्मुज क्षेत्र में पहुंचने से कम से कम 48 घंटे पहले आवेदन जमा करना होगा। अब हर जहाज को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन करने के बाद ही उसे आगे बढ़ने की अनुमति मिलेगी। यानी अब होर्मुज से गुजरने का रास्ता स्वतः खुला नहीं रहेगा, बल्कि अनुमति आधारित होगा। ईरान का कहना है कि इससे समुद्री सुरक्षा, यातायात नियंत्रण और क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत किया जा सकेगा।

दो बम धमाकों से थर्राया पाकिस्तान

खैबर पख्तूनख्वा में 7 की मौत, 3 घायल, घेराबंदी कर जांच शुरू की

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले में शनिवार को सड़क किनारे हुए दो बम धमाकों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। फिलहाल किसी भी समूह ने इस आत्मघाती कृत्य की जिम्मेदारी नहीं ली है और सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पहला इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट एक यात्री वैन को निशाना बनाकर किया गया, जिसमें पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके तुरंत बाद, उसी स्थान पर राहत और बचाव कार्य में जुटे लोगों को निशाना बनाकर दूसरा धमाका किया गया, जिसमें दो और लोगों की जान चली गई। यह धमाका बन्नू जिले के मार्का बेरा इलाके में हुआ। बन्नू जिला पुलिस अधिकारी यासिर अफरीदी ने यह जानकारी दी।

बम धमाके से क्षतिग्रस्त वाहन

4 देश आपसी हितों को लेकर करेंगे चर्चा

मिस्र की राजधानी कायरो में आज 'इस्लामिक नाटो' की अहम बैठक

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

ईरान युद्ध के बीच मुस्लिम देशों का 'इस्लामिक नाटो' बनाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया है कि देश के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार रविवार को मिस्र जाएंगे। वहां वे मिस्र, सऊदी अरब और तुर्की के अपने समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे। ये चारों देश मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा और कूटनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा करने की तैयारी कर रहे हैं। माना जा रहा है कि ये चारों देश नाटो की तर्ज पर एक इस्लामिक संगठन बनाने की कोशिश कर रहे हैं जिसका मकसद एक देश पर हमला सभी देशों पर हमला माना जाएगा। काहिरा में होने वाली यह आर-4 बैठक इन देशों की चौथी बैठक होगी। बैठक में मिस्र, सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के विदेश मंत्री एक साथ आएंगे और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा करेंगे और शांति, सुरक्षा और स्थिरता से जुड़े मुद्दों पर बातचीत करेंगे।

चार इस्लामिक देशों के प्रतिनिधि फाइल फोटो

न्यूयॉर्क में योग के लिए जुटे लोग

विभिन्न सत्रों में योगाभ्यास किया

न्यूयॉर्क। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में न्यूयॉर्क में हजारों लोगों ने एक साथ योगाभ्यास किया। इस वैश्विक उत्सव का उद्देश्य शारीरिक और आध्यात्मिक कल्याण के साथ-साथ प्रकृति के साथ सामंजस्य को बढ़ावा देना है। भारतीय के वाणिज्य दूतावास ने 'टाइम्स स्क्वायर एलायंस' के साथ मिलकर इस विशाल कार्यक्रम का आयोजिन किया, जिसमें विभिन्न देशों के हजारों लोगों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और योग के विभिन्न सत्रों में योगाभ्यास किया।

भारत-दक्षिण कोरिया के बीच जल्द होगा एमओयू

डिजिटल शासन, ई-गवर्नेंस और लोक प्रशासन में सहयोग बढ़ाने पर सहमत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली में दक्षिण कोरिया गणराज्य के गृह एवं सुरक्षा मंत्री युन होजुंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। बैठक में डिजिटल शासन, ई-गवर्नेंस, लोक प्रशासन, क्षमता निर्माण और नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण के क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत बनाने पर चर्चा हुई।

जितेंद्र सिंह और दक्षिण कोरिया के युन होजुंग

मंत्रालय में नवाचार पर राजी

बैठक के दौरान डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों देशों के मंत्रालय लोक प्रशासन और सरकारी नवाचार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को अंतिम रूप देने पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। यह समझौता दोनों देशों के बीच प्रशासनिक सुधारों और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं के आदान-प्रदान को और मजबूत करेगा।

एआई और डिजिटल सेवाओं पर चर्चा

वार्ता के दौरान सरकारी सेवाओं के डिजिटल रूपांतरण, लोक प्रशासन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग, सिविल सेवकों के क्षमता निर्माण, नागरिक भागीदारी और सार्वजनिक शिकायत निवारण प्रणालियों में सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को साझा करने जैसे विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया। वहीं, कोरियाई प्रतिनिधिमंडल ने स्मार्ट गवर्नेंस, डिजिटल सार्वजनिक सेवाओं तथा आपदा एवं सुरक्षा प्रबंधन के क्षेत्र में अपने अनुभव साझा किए।

बांग्लादेश के रंगपुर में भगवान राम की मूर्ति निर्माण कार्य को रोका

विरोध में सड़कों पर उतरे हजारों हिंदू सरकार को दिया 72 घंटे का अल्टीमेटम

जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार करने की मांग

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन किए गए हैं। रंगपुर में भगवान राम की सबसे ऊंची मूर्ति बनाने का विरोध कर रहे कट्टरपंथी इस्लामवादियों द्वारा उनकी तस्वीर का कथित अपमान किए जाने के बाद हिंदू समुदाय के लोग सड़क पर उतरे। मूर्ति का निर्माण कार्य रुकने के बाद, शुक्रवार को ढाका में हजारों हिंदुओं ने मशाल जुलूस निकाला और 'जय श्री राम' के नारे लगाए। लोगों ने इस कथित अपमान के लिए जिम्मेदार लोगों की गिरफ़्तारी की मांग की है। बांग्लादेश में यह नया तनाव उत्तरी गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी में भगवान राम की 81 फीट ऊंची मूर्ति का निर्माण कार्य रोके जाने के कुछ दिनों बाद पैदा हुआ है।

मशाल जुलूस लेकर विरोध प्रदर्शन करते हिंदू

इस्लामी समूहों ने दी धमकी

इस प्रोजेक्ट को चलाने वाली 'श्री श्री राधा गोविंद मंदिर समिति' का दावा है कि अधिकारियों को इस्लामी समूहों से धमकियां मिली थीं। रंगपुर में पुलिस द्वारा हिंदुओं को प्रदर्शन करने से रोकने के बाद मामूली झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि इस महीने की शुरुआत में गाइबांधा में एक प्रदर्शन के दौरान इस्लामी भीड़ ने भगवान राम की तस्वीर पर जूता रखकर उसका अपमान किया। इस घटना ने मुस्लिम-बहुल बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों को लेकर चिंताएं फिर से बढ़ा दी हैं।

मामले में केस दर्ज

मामले में केस दर्ज हो चुका है, लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। शुक्रवार को कई हिंदू संगठनों और छात्रों ने मुख्य शाहबाग चौराहे पर इकट्ठा होकर नेशनल प्रेस क्लब तक मार्च किया। यह विरोध-प्रदर्शन 'हिंदू महाजोट' ने बुलाया था। संगठन ने नेशनल प्रेस क्लब के सामने मानव श्रृंखला भी बनाई। एक अन्य समूह ने ढाका रिपोर्टर्स यूनिटी (डीआरयू) बिल्डिंग के पास प्रोटेस्ट किया।

देशव्यापी आंदोलन का ऐलान

प्रदर्शनकारियों ने इसमें शामिल लोगों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। इसके अलावा, हिंदू महाजोट ने कहा कि अगर भगवान राम की मूर्ति का निर्माण फिर से शुरू करने की अनुमति नहीं दी गई, तो वे बांग्लादेश के सभी 64 जिलों में एक-एक करके राम मंदिर बनाएंगे। शनिवार को धार्मिक मामलों के मंत्रालय को एक ज्ञापन भी सौंपा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28